RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22
सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 15 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 29 अक्टूबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खवर...

छत्तीसगढ़ के मंदिरों में चोरों का धावा : पांच मंदिरों में चोरी दानपेटी का ताला तोड़कर कैश ले गए चोर

बालोद। छत्तीसगढ़ के मंदिरों में चोरी का मामला सामने आया है। बालोद जिले के गुरुर ब्लॉक स्थित पांच मंदिरों में चोरी हुई है। शनिवार सुबह मंदिर में झाड़ू लगाते समय इसकी जानकारी लगी तो मंदिर प्रबंधन सकते में आ गया। इसके बाद पता चला कि एक नहीं यहां के पांच मंदिरों में चोरी हुई। चोर इन मंदिरों से दानपेटी का ताला तोड़कर कैश चुरा ले गए। आनन फानन में इसकी सूचना पुलिस को दी गई। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार मंदिरों मे चारी की यह घटना बालोद जिले के गुरुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत नारागांव स्थित सियादेवी मंदिर का है। सियादेवी मंदिर के साथ ही यहां चोरों ने शिव पार्वती मंदिर, राम मंदिर, सतीमाता मंदिर, लवकुश मंदिर में भी चोरी की। इन पांचों मंदिरों की दान पेटी का ताला तोड़कर चोर कैश ले गए। दानपेटियों में कितना कैश था इसकी सही जानकारी नहीं है लेकिन बताया जा रहा है कि पिकनिक स्पॉट होने के कारण यहां पर बड़ी संख्या में सैलानी पहुंचते हैं और इस दौरान मंदिर के दर्शन करने जरूर आते हैं। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि दान पेटियों में काफी कैश रहा होगा। घटना की जानकारी मिलने के बाद गुरुर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ भी की है। मंदिर में कहीं भी सीसी टीवी कैमरे नहीं होने से पुलिस को फुटेज नहीं मिल पाए हैं।

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव और राज्योत्सव में दिखेगी

छत्तीसगढ़ की विकास गाथा

शिल्पग्राम में देखने को मिलेगा अनूठी कलाकृतियों का संग्रह उद्योगों के स्टॉल होंगे आकर्षण का केन्द्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में 01 से 03 नवंबर तक राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव और राज्योत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान छत्तीसगढ़ सहित देश-विदेश की विभिन्न जनजातियों की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और लोककलाओं की झलक लोगों को देखने को मिलेगी। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का यह तीसरा आयोजन है। आयोजन के दौरान छत्तीसगढ़ सरकार के विभिन्न विभागों की लोककल्याणकारी योजनाओं पर आधारित विकास प्रदर्शनी के माध्यम से पिछले पौने चार वर्षों में छत्तीसगढ़ की विकास गाथा भी देखने को मिलेगी।

यहां कार्यक्रम स्थल के सेंट्रल एरिया में जनजातीय लोककला और शिल्प पर केन्द्रित शिल्पग्राम बनाया जाएगा। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ी पकवानों समेत अनेक तरह के लजीज व्यंजनों से सजा फूड जोन भी होगा। साइंस कॉलेज स्थित आयोजन स्थल पर थीम हैंगर में विभिन्न उद्योगों और सार्वजनिक उपक्रमों के स्टॉल लगाए जाएंगे। यहां व्यावसायिक स्टॉल और किताब मेला भी लगाया जाएगा और स्वास्थ्य सहायता केन्द्र भी स्थापित किया जाएगा।

प्रदर्शनी में लगेंगे 21 विभागों के स्टॉल

साइंस कॉलेज मैदान पर राज्योत्सव के दौरान विकास प्रदर्शनी में राज्य शासन के 21 विभागों के स्टॉल लगेंगे। इनमें कृषि विभाग-मछलीपालन, पशुपालन, उद्यानिकी विभाग एवं अन्य संबंधित घटक, ऊर्जा विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, जनसम्पर्क विभाग, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग, आदिम जाति, अनुसूचित जाति एवं विकास तथा पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, जल संसाधन विभाग, श्रम विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, आवास एवं पर्यावरण विभाग, लोक निर्माण विभाग, खनिज संसाधन विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, चिप्स, वन विभाग, परिवहन विभाग के स्टॉलों में विभागीय योजनाओं का विभिन्न मॉडलों, चित्रों, आडियो-वीडियो लघु फिल्म के माध्यम से जीवंत प्रदर्शन किया जाएगा। लोगों को पाम्पलेट और ब्रोशर के द्वारा विभागीय योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी दी जाएगी।

शिल्पग्राम में लगेंगे 40 स्टॉल

साइंस कॉलेज मैदान के सेंट्रल एरिया में बनाए जाने वाले शिल्पग्राम में 40 स्टॉल लगाए जाएंगे। जहां प्रदेश के प्रसिद्ध शिल्पकारों, कलाकारों, बुनकरों, स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित कलाकृतियों का अनूठा संग्रह देखने को मिलेगा। इनमें घरेलू उपयोग के सामान, कलात्मक सजावटी वस्तुएं, बेलमेटल, लौहशिल्प, काष्ठकला, बांसकला, माटी शिल्प से निर्मित कलाकृतियां प्रदर्शन और विक्रय के लिए उपलब्ध रहेंगी।

फूड जोन में लगाए जाएंगे 20 स्टॉल

फूड जोन में 24 स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के साथ लोग अन्य स्वादिष्ट व्यंजनों का भी स्वाद ले सकेंगे। व्यावसायिक स्टॉलों के लिए निर्धारित स्थान पर 40 स्टॉल लगाए जाएंगे। इसी तरह थीम हैंगर में बाल्को, बीएसपी, एसईसीएल, एनटीपीसी, एनएमडीसी सहित विभिन्न उद्योगों के स्टॉल लगाए जाएंगे।

भाजपा अध्यक्ष अरूण साव के काफिले की गाड़ी ने बाइक सवार को मारी ठोकर, महिला की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ भाजपा अध्यक्ष अरूण साव की काफिले की गाड़ी की ठोकर से बाइक सवार एक महिला की मौत हो गई वहीं एक जवान इस दुर्घटना में घायल हो गया है। घटना शुक्रवार को राजधानी रायपुर जाते समय हुई। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरूण साव शुक्रवार को दिवंगत विधानसभा उपाध्यक्ष मनोज मंडावी को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके गृहग्राम गए थे। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद उनका काफिला वापस राजधानी रायपुर लौट रहा था। तभी यह दर्दनाक हादसा हो गया।

भाजपा अध्यक्ष ने जताया शोक

अपने काफिले की चपेट में आकर मृत महिला के परिवार जनों के प्रति भाजपा अध्यक्ष ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने महिला के परिजनों को हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया है। काफिले में शामिल एक जवान भी घायल हो गया है। जिसका उपचार अस्पताल में चल रहा है।

पुलिस कर रही मामले की जांच

धमतरी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार भाजपा अध्यक्ष का काफिला कुरूद के पहले ग्राम चर्रा के पास पहुंचा था कि तभी अचानक फॉलो गाड़ी के सामने एक बाइक सवार आ गया। इसकी वजह से तेज रफ्तार स्कार्पियो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर विपरीत दिशा में आ गई। जिससे कुरूद से धमतरी जा रहे गोकुलपुर निवासी कौशल साहू और उसकी मां सविता साहू सड़क किनारे खेत में जा गिरे। इस दुर्घटना में महिला सविता साहू के सिर में गंभीर चोट लगने के कारण अस्पताल में उसकी मौत हो गई। भाजपा अध्यक्ष सकुशल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आंध्र समाज ने की नाग पूजा

भिलाई। शनिवार को आन्ध्र समाज ने नाग पूजा की। इस दौरान शहर में जगह-जगह सांप की बांबियों के पास विधिवत् पूजा-अर्चना की गई। लोगों ने नाग देवता को अंडा-दूध व परंपरागत व्यंजनों का भोग लगाया। इस दौरान बच्चों नें भी आतिशबाजी कर खुशी मनाई।

वंदे भारत एक्सप्रेस फिर हादसे का शिकार, गाय के टकराने से आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त, एक माह में तीसरी बार हुआ हादसा

वलसाड़ (एजेंसी)। अहमदाबाद-मुंबई के बीच चलने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस फिर एक बार हादसे का शिकार हो गई। शनिवार को सुबह यह हादसा वलसाड़ के अतुल रेलवे स्टेशन के पास हुआ। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के सामने एक गाय आ गई जिससे टकराने से एक्सप्रेस का वंदे भारत एक्सप्रेस के आगे का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। एक माह के भीतर वंदे भारत एक्सप्रेस तीसरी बार इस तरह के हादसे का शिकार हुआ है।

मिली जानकारी के मुताबिक वंदे भारत एक्सप्रेस वलसाड़ के अतुल रेलवे स्टेशन से गुजर रही थी कि अचानक ट्रेन के सामने एक गाय आ गई। गाय ट्रेन की चपेट में आ गई जिससे उसकी मौत हो गई, वहीं गाय के टकराने से ट्रेन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। यह घटना शनिवार की सुबह लगभग 8 बजे की है। घटना के बाद ट्रेन करीब 30 मिनट तक अतुल रेलवे स्टेशन पर खड़ी रही। इस दौरान ट्रेन के आगे के हिस्से को ठीक करने का प्रयास किया गया और उसके बाद आगे रवाना किया गया।

बताया जा रहा है कि हादसे के बाद वंदे भारत एक्सप्रेस की एक बोगी भी अलग हो गई थी। साथ ही पानी का पाइप भी क्षतिग्रस्त हुआ जिसके कारण बोगियों में पानी सप्लाई प्रभावित हुई। हादसे के बाद करीब आधे घंटे देर से ट्रेन को रवाना किया गया। बता दें इसी माह की शुरुआत में भी मुंबई से अहमदाबाद जा रही ट्रेन वटवा और मणिनगर स्टेशन के पास पशुओं के झुंड से टकरा गई थी। इस घटना में भी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद 7 अक्टूबर को वडोदरा मंडल के आणंद के समीप वंदे भारत एक्सप्रेस से एक गाय टकरा गई थी।

बन रहा था छठी मैय्या का प्रसाद और फट गया सिलेंडर, दो मंजिला मकान में लग गई आग

औरंगाबाद (एजेंसी)। यूपी-बिहार के सबसे बड़े पर्व छठ पूजा की शुरुआत हो चुकी है। ऐसे में लोग इसकी तैयारियां कर रहे हैं। इस बीच छठी मैय्या के लिए प्रसाद भी बनाया जा रहा है। बिहार के औरंगाबाद में छठ पूजा के लिए प्रसाद बनाने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। यहां के एक शख्स के घर पर प्रसाद तैयार किया जा रहा था और तभी सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट इतना खतरनाक था कि दो मंजिला मकान में आग लग गई। आग में झुलसने से 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। सूचना मिलने के बाद आग पर काबू पाने के दौरान पुलिसकर्मी भी झुलस गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

छत्तीसगढ़ को एक और राष्ट्रीय पुरस्कार

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना को मिला स्कॉच सिल्वर अवार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश में सबसे कम बेरोजगारी दर वाले राज्य का गौरव हासिल करने वाले छत्तीसगढ़ राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर एक और गौरवपूर्ण सम्मान से नवाजा गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना को गुणवत्तायुक्त एवं रोजगार आधारित निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय स्तर के स्कॉच सिल्वर अवार्ड-2022 से सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं उच्च शिक्षा मंत्री तथा कौशल विकास मंत्री उमेश पटेल ने छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी है। कौशल विकास मंत्री उमेश पटेल के कुशल मार्गदर्शन युवाओं को बेहतर कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त हो, इसके लिए कौशल विकास प्राधिकरण के द्वारा युवाओं को उनकी रुचि अनुसार गुणवतायुक्त प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पाकर युवा लगातार सरकारी और गैर सरकारी विभागों में नौकरी पाने के साथ ही स्वरोजगार को अपना रहे हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत योजना के तहत अब तक 4 लाख 68 हजार 184 युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें से 2 लाख 55 हजार 678 युवाओं को नियोजित किया गया है, वर्तमान में 2726 युवा प्रशिक्षणरत हैं।

मुंबई और कोच्चि के लिए रायपुर से शुरू होगी नई फ्लाइट

रायपुर। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से मुंबई और कोच्चि (कोचिन) के लिए एक नई फ्लाइट की सुविधा शुरू हो रही है। 30 अक्टूबर से इंडिगो एयरलाइंस की नई फ्लाइट अब मुंबई और कोच्चि के बीच चलेगी। यह 30 नवंबर तक यह सुविधा यात्रियों को मिलेगी। नागरिक उड्डयन विभाग ने घरेलू विमान सेवाओं के लिए शीतकालीन समय सारिणी (विंटर शेड्यूल) जारी किया है। जिसके अनुसार रायपुर से इन दोनों शहरों के लिए नई फ्लाइट की सुविधा एयर सफर करने वाले यात्रियों को मिलेगी।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति पर यह कैसा लगा दाग

श्रीकंचनपथ न्यूज

छत्तीसगढ़ भारत का हृदय स्थल है. यहां भिलाई जैसा औद्योगिक तीर्थ है जिसे मिनी इंडिया कहा जाता है. राजनीतिक दृष्टिकोण से स्थानीय नेतृत्व की बात तो ठीक है पर इसे लेकर कला एवं संस्कृति पर हमला करना सर्वथा अनुचित और अवांछित है. देश के सभी नामचीन कलाकार एकाधिक भाषा में गायन करते रहे हैं. किशोर कुमार, लता मंगेशकर, आशा भोंसले, येशु दास, एसपी बालासुब्रमण्यम को इसके चलते पूरी दुनिया में ख्याति मिली. पर इधर छत्तीसगढ़ की एक बाल कलाकार केवल इसलिए ट्रोल हो गई कि उसने छठ गीत गाया है. लोकगायिका आरू की उम्र सिर्फ 14 साल है. उसपर माता सरस्वती की कृपा है. वह एकनिष्ठ होकर गीत-संगीत की साधना कर रही हैं. वैसे भी छठ पर्व पूरे छत्तीसगढ़ में धूमधाम से मनाया जाता है. शासन और प्रशासन भी इसमें सहयोग करता है. बिलासपुर में अरपा नदी के तट पर स्थित तोरवा घाट देश का सबसे बड़ा सुव्यवस्थित छठ घाट है. आकार के मापदण्ड पर यह मुम्बई के जुहू बीच के बाद दूसरा सबसे बड़ा छठघाट है. छठी मइया तो पूरे भारत की आराध्य हैं. अपने संतान की सुरक्षा, अच्छी सेहत और लंबी आयु के लिए सभी माताएं माता षष्ठी को मानती हैं. विभिन्न प्रांतों में इस पर्व को मनाने का तरीका अलग अलग हो सकता है पर भावनाएं एक जैसी ही होती हैं. यह किस तरह से किसी संस्कृति पर हमला हो गया, यह समझ से परे है. आज छठ गीत का विरोध हो रहा है. तो क्या कल को इडली दोसा खाने का विरोध शुरू हो जाएगा? सुबह-सुबह पोहा बेचने वालों को खदेड़ा जाएगा? यह किस संस्कृति की बात हो रही है? क्या छत्तीसगढ़ी भाषा की अस्मिता के लिए आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूलों को बंद करने की मांग की जाएगी? इंग्लिश ही क्यों, हिन्दी मीडियम स्कूल भी तो छत्तीसगढ़ी को नुकसान पहुंचाते हुए लगेंगे. हम जिन पर्यटनस्थलों का विकास कर रहे हैं क्या वहां भी बाहरी लोगों का आना वर्जित कर दिया जाएगा? संस्कृति बचाने के चक्कर में कहीं हर चीज का विरोध करने की अपसंस्कृति हावी हो गई तो छत्तीसगढ़ टापू बनकर रह जाएगा. देश-दुनिया में जितने भी वाहियात आंदोलन हुए हैं, सबकी शुरुआत इसी तरह हुई है. आरंभिक चरण में ऐसे विचारों को नजरअंदाज कर दिया जाता है. पर विचार कभी मरते नहीं. एक बार कही गई बात सालों-साल लोगों की जेहन में कैद हो जाते हैं. इतिहास गवाह है कि ऐसे सभी आंदोलन कुछ समय बाद अपने पैरों पर स्वयं कुल्हाड़ी मारने की कहावत को ही चरितार्थ करते हैं. गुरू घासीदास की इस धरती पर ऐसी छोटी सोच को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए. प्रभु श्रीराम के ननिहाल में ऐसी अपसंस्कृति को पनपने नहीं दिया जा सकता.

संपादकीय

छठ का संदेश

लगभग दो वर्ष बाद छठ महापर्व का वैभव किसी वरदान की तरह लौट आया है। महामारी का लंबा सिलसिला उस पूरे समाज ने झेला है, जहां सूर्य उपासना का यह महापर्व शुरू हुआ और संसार में फैल गया। सूर्य उपासना का ऐसा कोई दूसरा व्रत-पर्व नहीं है, लेकिन सूर्य उपासना ही क्यों? सूर्य अगर एक ग्रह भी है, तो भी उसकी भौगोलिक, वैज्ञानिक उपयोगिता संसार में किसी भी अन्य ग्रह से कई गुना ज्यादा है। सूर्य को स्वास्थ्य का स्रोत माना गया है। याद कीजिए, यह माना गया था कि भारत में सूर्य की कृपा से चूंकि खूब गरमी पड़ती है, इसलिए कोरोना वायरस ज्यादा कहर नहीं दिखा पाएगा। आंकड़े गवाह हैं और व्यावहारिक रूप से भी पूर्वांचल का समाज कोरोना से कभी भी ज्यादा आतंकित नहीं हुआ। निस्संदेह, नदियों और जलाशयों से समृद्ध इस समाज का सूर्य पर विश्वास अतुलनीय है। इसी का उत्कर्ष हम चार दिवसीय महापर्व छठ में निहारते हैं। अनुपम श्रद्धा और आस्था के साथ पूर्वांचल के लोग सूर्य उपासना के लिए उमड़ पड़ते हैं। मुख्य रूप से निरोगी काया और लंबी आयु की कामना करते हैं। सूर्य अनादि काल से अक्षय ऊर्जा का स्रोत है और यह ऊर्जा तन-मन-धन का आधार है। लेकिन क्या छठ का पावन अवसर सबके लिए समान खुशियां लाता है? क्या हर कोई इस महापर्व में शामिल हो पाता है? क्या हर कोई इस पर्व पर अपने घर-गांव जा पाता है? उदाहरण देखिए, छठ पूजा के समय पटना, गया, दरभंगा, बनारस जाने वाले हवाई जहाजों का किराया तीन गुना तक बढ़ गया है। गौर कीजिए, दिल्ली से पटना का किराया 17,800 रुपये और दिल्ली से वाराणसी का किराया 17,000 रुपये हो गया। उधर, एक दावा है कि छठ पर 84 स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं, नियमित गाड़ियों में भी कोई जगह नहीं है। सीट या बर्थ उपलब्ध कराने के लिए 56 नियमित ट्रेनों में 165 अतिरिक्त डिब्बे जोड़े गए हैं। एक अनुमान है कि विशेष इंतजाम के बावजूद तीन से चार लाख लोगों का ही बिहार पहुंचाना संभव होगा। क्या इतना पर्याप्त है? अकेले दिल्ली की आबादी लगभग दो करोड़ है, तो इसमें अकेले बिहार के लोगों की संख्या पचास लाख से ज्यादा होनी चाहिए। पूर्वांचली तो साठ लाख से ज्यादा हैं। अगर एक तिहाई लोग भी छठ पर घर जाना चाहें, तो क्या उन्हें ले जाना संभव है? दो गुना से तीन गुना किराया गवाह है कि बहुत लोग घर-गांव नहीं जा पाएंगे। यह महापर्व बहुत विशाल है, लेकिन इसके लिए हमारी सरकारों के पास पर्याप्त योजना या चिंता नहीं है। गंगा किनारे छठ करने वाले उस यमुना को कैसे अपनाएंगे, जिसमें पानी नहीं, जहर-सा झाग बहता है? यह महापर्व बिहार और बिहारियों के विकास के बारे में सोचने का भी समय है। पूर्वांचल का विकास अगर न हुआ, तो यह सस्ते श्रमिकों का बाड़ा ही बना रहेगा। बिहार आज जरूरी भी है और अनेक लोगों की आंखों की किरकिरी भी। यहां बेहतर व्यवहार की उम्मीद गलत नहीं है। खैर, यह जो ट्रेनों में किराये का नया सिस्टम है, उसकी सर्वाधिक कीमत पूर्वांचल के लोग ही चुकाते हैं। हवाई किराये के मामले में मांग के मुताबिक बढ़ते किराये की व्यवस्था पुरानी है और अब रेलवे ने भी इसे कमोबेश अपना लिया है। सवाल उठता है, क्या यह व्यवस्था सही या न्यायपूर्ण है? भारत जैसे कल्याणकारी राज्य में सरकारों को सदैव सचेत रहना चाहिए कि जरूरत पड़ने पर किसी का भी दिल न दुखे, शोषण न हो। सीखना चाहिए सूर्य देव से, जो कभी किसी से कोई भेद नहीं करते, सबको समान ऊर्जा देते हैं।

“ अकेले दिल्ली की आबादी लगभग दो करोड़ है, तो इसमें अकेले बिहार के लोगों की संख्या पचास लाख से ज्यादा होनी चाहिए। पूर्वांचली तो साठ लाख से ज्यादा हैं। अगर एक तिहाई लोग भी छठ पर घर जाना चाहें, तो क्या उन्हें ले जाना संभव है? दो गुना से तीन गुना किराया गवाह है कि बहुत लोग घर-गांव नहीं जा पाएंगे। यह महापर्व बहुत विशाल है, लेकिन इसके लिए हमारी सरकारों के पास पर्याप्त योजना या चिंता नहीं है।

समर्पण और जिम्मेदारी

श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं, ‘तुम मुझे बहुत प्रिय हो।’ फिर कहते हैं कि तुम्हें समर्पण करना होगा। समर्पण की शुरुआत एक धारणा से होती है। पहले तुम्हें मानना होगा कि तुम ईश्वर के प्रिय हो, तब समर्पण स्वतः होता है। किसी भी लक्ष्य को एक निर्धारित समय-सीमा में बांधने से जीवन-शक्ति को एक दिशा मिल जाती है, परंतु इसके लिए कुछ कल्पना भी आवश्यक है। प्रायः व्यक्ति काल्पनिक नहीं होता, फंस जाता है और अंततः हताश हो जाता है। परंतु यदि आप भक्त हैं, तो आप कहते हैं कि ‘जो प्रभु की इच्छा’, तब आप सहजता से लक्ष्य की ओर बढ़ते हैं और निश्चिंतता से उसे पूरा करते हैं। यहां पर हमें एक अंतर को समझना है। कुछ लोग कहते हैं, ‘सब ईश्वर करेंगे, तुम बस समर्पण कर दो।’ और कुछ कहते हैं, ‘मुझे पूरी तरह जिम्मेदार होना है।’ समर्पण है, ‘जो प्रभु की इच्छा हो, वही हो’ और ‘जो प्रभु की इच्छा’ का अर्थ है समस्त संसार का दायित्व लेना। स्वभाव से ये एक-दूसरे के विपरीत प्रतीत हो रहे हों, परंतु वास्तव में ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। तुम जितना अधिक समर्पित होते हो, उतने ही अधिक जिम्मेदार होते हो। जो गैर-जिम्मेदार है, वह समर्पण नहीं कर सकता। कोई गैर-जिम्मेदार क्यों है? वह या तो आलसी है या भयभीत, या दोनों ही। यदि तुम आलसी और भयभीत हो, तो तुम प्रेम में नहीं रह सकते। पूर्ण जिम्मेदारी ही पूर्ण समर्पण है। इसे स्वीकार करना थोड़ा कठिन है, परंतु यही वास्तविकता है।

छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का यह तीसरा आयोजन है, जिसमें छत्तीसगढ़ समेत देश के विभिन्न राज्यों और विदेशों से भी आदिवासी समुदाय के लोग अपनी पारंपरिक कला और संस्कृति की छटा बिखेरने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में जुटते हैं। इस बार यह आयोजन राज्योत्सव के साथ ही 1 से 3 नवंबर तक राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में फिर बिखरेगी आदिवासी संस्कृति की छटा

नसीम अहमद खान, सहायक संचालक

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ी संस्कृति सभ्यता और लोक कला को बढ़ावा देने के साथ ही आदिम संस्कृति एवं कला को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास निरंतर जारी है। इसी कड़ी का हिस्सा छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाला राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव भी है। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का यह तीसरा आयोजन है, जिसमें छत्तीसगढ़ समेत देश के विभिन्न राज्यों और विदेशों से भी आदिवासी समुदाय के लोग अपनी पारंपरिक कला और संस्कृति की छटा बिखेरने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में जुटते हैं। इस बार यह आयोजन राज्योत्सव के साथ ही 1 से 3 नवंबर तक राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में किया जा रहा है। इस बार भी अनेक आदिवासी समूह अपनी पहचान के पर्याय और विशेष अवसरों पर प्रदर्शित किए जाने वाले आदिवासी लोक नृत्यों को लेकर पहुंचेंगे। आयोजन के दौरान होने वाले कुछ खास नृत्यों से जुड़ी जानकारी यहां दे रहे हैं:-

दंडामी माड़िया नृत्य- छत्तीसगढ़: बस्तर के दंडामी माड़िया नृत्य को गौर माड़िया नृत्य के नाम से जाना जाता है। इस नृत्य में युवक अपने सिर पर गौर नामक पशु के सींग से बना मुकुट, कोकोटा पहनते हैं, जो कौड़ियों और कलगी से सजा रहता है। युवकों के साथ नृत्य करने वाली युवतियां अपने सिर पर पीतल का मुकुट (टिगे) पहनती हैं और हाथ में लोहे की सरिया से बनी एक छड़ी, गूजरी बड़गी रखती हैं, जिसके ऊपर घुंघरू लगे रहते हैं, जिसे जमीन पर पटकते हुए आकर्षक ध्वनि उत्पन्न करती है।

माओ पाटा नृत्य - छत्तीसगढ़: बस्तर के मुरिया जनजाति में अनेक प्रदर्शनकारी कलाएं प्रचलित हैं, जो अत्यंत मनोरम तथा लयात्मकता से परिपूर्ण हैं। माओ पाटा मुरिया जनजाति का एक ऐसा ही नृत्य है, जिसमें नाटक के भी लगभग सभी तत्व विद्यमान हैं। इस नृत्य को गौर मार नृत्य भी कहा जाता है। माओ पाटा का आयोजन घोटुल के प्रांगण में किया जाता है, जिसमें युवक और युवतियां सम्मिलित होते हैं। नर्तक विशाल आकार के ढोल बजाते हुए घोटुल में प्रवेश करते हैं। इस नृत्य में गौर पशु है तथा पाटा का अभिप्राय कहानी है, जिसमें गौर के पारंपरिक शिकार को प्रदर्शित किया जाता है। पोत से बनी सुंदर माला, कौड़ी और भृंगराज पक्षी के पंख की कलगी जिसे जेलिंग कहा जाता है, युवक अपने सिर पर सजाए रहते हैं और युवतियां पोत और धातुई आभूषण कंघियां और कौड़ी से श्रृंगार किए हुए रहती हैं। एक व्यक्ति गौर पशु का स्वांग लिए रहता है, जिसका नृत्य के दौरान शिकार किया जाता है।

हुलकी नृत्य - छत्तीसगढ़: हुलकी नृत्य बस्तर के कोंडागांव और नारायणपुर जिले में निवास करने वाली मुरिया जनजाति का पारंपरिक नृत्य है। इसमें स्त्री-पुरूष दोनों ही सम्मिलित होते हैं। हुलकी नृत्य के बारे में यह मान्यता है कि यह नृत्य आदि देवता लिंगोपेन को समर्पित है। इस नृत्य में सवाल-जवाब की शैली में गीत गाये जाते हैं, जिसमें दैवीय मान्यताओं, किंवदतियों एवं नृत्य की अवधारणाओं से संबंधित प्रसंग पर सवाल-जवाब होते हैं। इस नृत्य का मुख्य वाद्य यंत्र डहकी पर्राय है, जिसका वादन पुरूष नर्तक करते हैं और महिलाएं चिटकुलिंग का वादन करती है। इस नृत्य में इसके अलावा कोई और वाद्य यंत्र निषिद्ध है। पारंपरिक रूप से हुलकी नृत्य का आरंभ हरियाली त्यौहार के बाद युवागृह से प्रारंभ होता है जो क्वांर महीने तक चलता है।

छाऊ नृत्य - झारखण्ड: छाऊ नृत्य भारत के तीन पूर्वी राज्यों में लोक और जनजातीय कलाकारों द्वारा किया जाने वाला एक लोकप्रिय नृत्य रूप है, जिसमें मार्शल आर्ट और करतबों की भरमार रहा करती है। छाऊ नृत्य का नामकरण संबंधित क्षेत्र के आधार पर किया जाता है। पश्चिम बंगाल में पुरूलिया छाऊ, झारखंड में सराइकेला छाऊ और ओडिशा में मयूरभंज छाऊ। इसमें से पहले दो प्रकार के छाऊ नृत्यों में प्रस्तुति के अवसर पर मुखौटों का उपयोग किया जाता है, जबकि तीसरे प्रकार के मयूरभंज छाऊ में मुखौटे का प्रयोग नहीं होता है। इस नृत्य में रामायण, महाभारत और पुराण की कथाओं को कलाकारों द्वारा मंच पर प्रस्तुत किया जाता है। इसमें गायन और संगीत का प्रमुख स्थ्थान है, किन्तु प्रस्तुति के समय लगातार चल रही वाद्य संगीत की विशेषता प्रधान रहती है। नृत्य में प्रत्येक विषय की शुरूआत नृत्य एक छोटे से गीत से होती है, जिसमें उस विषय वस्तु का परिचय होता है। छाऊ नृत्य केवल पुरूष कलाकारों द्वारा ही किया जाता है। छाऊ ने अपने कथावस्तु, कलाकारों की ओजस्विता, चपलता और संगीत के आधार पर न सिर्फ भारतवर्ष वरन विदेश में भी अपनी खास पहचान बनाई है।

पाइका नृत्य - झारखण्ड: मुंडा झारखंड की एक प्रमुख जनजाति है। मुंडा जनजाति झारखंड के अतिरिक्त पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, ओडिशा और असम में भी निवास करती है। वर्तमान में मुख्यतः कृषि पर आधारित जीविकोपार्जन करने वाले मुण्डा लोगों को प्रदर्शनकारी कलाओं में पाइका नृत्य का विशेष स्थान है। पाइका युद्ध कला से संबंधित नृत्य है जिसे मुण्डा, उरांव, खड़िया आदि आदिवासी समाजों के नर्तकों द्वारा किया जाता है। इस नृत्य में केवल पुरूष ही हिस्सा लेते हैं। नर्तक योद्धाओं के पोषाक धारण करते हैं और अपने हाथों में ढाल, तलवार आदि अस्त्र लिए रहते हैं। नृत्य के अवसर पर प्रयोग होने वाले वाद्य ढाक, नगाड़ा, शहनाई, मदनभैरी आदि है। पाइका नृत्य विवाह उत्सवों के साथ ही अतिथि सत्कार के लिए सामान्यतः किया जाता है।

दमकच नृत्य - झारखण्ड: दमकच झारखंड राज्य के आदिवासी और लोक समाजों का एक लोकप्रिय नृत्य है। यह नृत्य मुख्यतः विवाह के अवसर पर किया जाने वाला नृत्य है जिसमें महिलाएं और पुरूष दोनों ही सम्मिलित होते हैं। पुरूष वर्ग इस नृत्य में गायक वादक और नर्तक के रूप में महिलाओं का साथ देते हैं। इस नृत्य में कन्या और वर को भी पारंपरिक रूप से सम्मिलित किया जाता है। दमकच नृत्य में उपयोग किए जाने वाले वाद्य में ढोल, नगाड़ा, ढाक, मांदर, बांसुरी, शहनाई और झांझ आदि सम्मिलित है। यह नृत्य कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष के देवउठनी एकादशी से शुरू होकर आषाढ़ मास के रथयात्रा तक किया जाता है।

बाघरूम्बा नृत्य - असम: बाघरूम्बा असम की बोडो जनजाति का एक प्रसिद्ध और लोकप्रिय नृत्य है। बोडो असम का सबसे बड़ा जनजातीय समूह है, जो वहां की कुल जनजातीय जनसंख्या का लगभग 40 प्रतिशत है। बोडो जनजाति की ज्ञान परंपराओं में अनेक सर्जनात्मक और प्रस्तुतिकारी कलाएं सम्मिलित हैं, जिनमें बाघरूम्बा नृत्य का उल्लेखनीय स्थान है। बाघरूम्बा नृत्य महिलाओं द्वारा त्यौहारों के परिधान धारण करती है। इस नृत्य में ढोल जिसे स्थानीय भाषा में खाम कहा जाता है, प्रमुख वाद्य है, जिसे सिफुंग अर्थात् बांसुरी और बांस में बने गोंगवना और थरका आदि वाद्यों के साथ बजाया जाता है। बोडो लोगों का प्रकृति प्रेम इस नृत्य में भी मुखरित होता है, जिसे इस नृत्य में पेड़, पौधे, पशु, पक्षी, तितली, बहती हुई नदी की धारा, वायु आदि को दर्शाती नृत्य रचनाओं में देखा जा सकता है।

मरयूराट्टम नृत्य - केरल: मरयूराट्टम केरल की माविलन जनजाति का एक नृत्य है, जिसे केरल और तमिलनाडू के सीमा क्षेत्र में स्थित मरायूर नामक स्थान में निवास करने वाली माविलन जनजाति के लोगों के द्वारा किया जाता है। मरायूर केरल के पल्लककाड़ जिले में स्थित है, जहां इस नृत्य को मुख्यतः विवाह समारोहों और उत्सवों के अवसर पर किया जाता है। इस नृत्य में स्त्री और पुरूष दोनों ही सम्मिलित होते हैं।

सकल जगतारिणी हे छठी मइया

चंदन तिवारी, प्रसिद्ध लोक गायिका

अच्छी बात यह है कि इस पर्व पर बाजार हावी नहीं हो पा रहा। छठ में आज भी आपको घर में ही बनाकर खाना होगा। अमीर हो या गरीब, शुचिता इसमें सबसे महत्वपूर्ण है। छठ लोकपर्व है। लोकगीत इसका प्राणरस है। सूर्य भी तो इस जगत में प्राण फूंकता है। उगी हे सुरूज देव, भेल भिनसरवा, अरघ केरा बेरवा हो/ बरती पुकारे देव, दुनो करजोरिया, अरघ केरा बेरिया हो... यह सुबह के अर्घ्य के समय का गीत है। इस गीत के जरिये व्रती महिलाएं सूर्य देव से आराधना करती हैं कि आप उगिए। सामूहिक स्वर में जब घाट पर यह गीत गाया जाता है, तो लगता है, कहीं सैकड़ों लोग एक साथ मंत्र का जाप कर रहे हों और सामने से सूर्य देव आ रहे हों। छठ में गाए जाने वाले लोकगीत ही उसके मंत्र और शास्त्र, दोनों हैं। छठ में जितने विधि-विधान होते हैं, उनमें थोड़ा-बहुत बदलाव अलग-अलग इलाके में बेशक आप देख सकते हैं, लेकिन एक बात हर जगह समान रूप से मिलेगी कि कहीं भी, कोई भी छठ का पर्व गीत के बिना करता हुआ नहीं मिलेगा।

मुझे छठ के पारंपरिक गीत बेहद पसंद हैं। खासकर वे गीत, जो व्रती महिलाएं अपने-अपने घाट पर व्रत के दौरान, प्रसाद बनाते वक्त, खरना के दिन सामूहिक स्वर में गाती हैं। इनमें सबके कल्याण की भावना होती है। सकल जगतारिणी हे छठी मइया, सभक शुभकारिणी हे छठी मइया/ जल-थल-वायु-अगिन में अहीं छी, अहीं छी जग के आधार/ सकल जगतारिणी हे छठी मइया, सभक शुभकारिणी हे छठी मइया...। इधर चलन चला है कि पॉपुलर फिल्मी धुनों पर भी छठ गीत बनने लगे हैं, और यह भी कि जो कुछ सामयिक घट रहा है, उसको भी छठ के गीतों में लाया जाए। व्यक्तिगत तौर पर मैं इसकी पक्षधर नहीं हूं। सामयिक संदर्भों को लोकगीतों में लाने के लिए अनेक विधाएं हैं। फाग के गीत, चैती के गीत, सोरठी धुन पर गीत सब सामयिक विषयों को सामने लाते रहे हैं। सबसे बढ़कर तो कजरी की विधा है, जो हमेशा समकालीन विषयों को लेकर आगे बढ़ती रही है। इतनी विधाएं हैं, जिनमें कई प्रयोग किए जा सकते हैं।

वैसे छठ के गीतों का दायरा सीमित है, इसलिए इसे सीमित ही रहने दिया जाए। सृष्टि और प्रकृति से जुड़े तत्वों का मेल-जोल, सूप-दौरा में रखे जाने वाले सामान का विवरण, नदी-घाट का विवरण, बेटा-बेटी की कामना, अच्छे स्वास्थ्य की कामना, दुख से मुक्ति की कामना, सुख मिलने पर धन्यवाद ज्ञापित करने जैसे शाश्वत तत्वों को लेकर ही गीत गाया जाए। छठ के पारंपरिक गीत में उगी हे सुरूज देव... कांच ही बांस के बहंगिया... गंगा माई के उंच अररिया... सोने के खड़उआं हे दीनानाथ... जैसे गीत मुझे बहुत पसंद हैं। छठ गीतों में कैसा प्रयोग हो, इसके लिए बिहार की मशहूर लोकगायिका विंध्यवासिनी देवी मानक हो सकती हैं। भूपेन हजारिका साहब जैसे संगीतकार के साथ मिलकर उन्होंने जो गाए, वे पारंपरिक छठ गीत की तरह लोकमानस में रच-बस गए हैं।

मैं बचपन से ही छठ देखती रही हूं। इसमें बहुत कुछ बदला है, लगातार बदलने की कोशिश जारी भी रहती है। मगर अच्छी बात यह है कि इस पर्व पर बाजार हावी नहीं हो पा रहा। जैसे, छठ में आज भी आपको घर पर में बनाकर खाना होगा। अमीर हो या गरीब, सब नहाय-खाय के दिन लौकी की सब्जी और चावल ही खाते हैं। सब ठेकुआ ही प्रसाद में चढ़ाते या बांटते हैं। हालांकि, इधर एक-दो बदलाव ऐसे भी दिखे हैं, जो पीड़ा देते हैं। एक तो यह कि अब छठ घाटों पर भी अमीरी और गरीबी का फर्क दिखने लगा है, और दूसरा यह कि छठ गीतों को भी सामान्य फिल्मी गीत की तरह बनाने की कोशिश हो रही है।

हाल के वर्षों में छठ गीतों में अश्लीलता का बढ़ना बेहद दुखद है। मेरा मानना है कि छठ गीतों में शालीनता बचाना छठ महोत्सव समितियों के हाथों में है। वे तय कर लें कि जो मूल रूप से छठ के गीत होंगे या मूल गीत के करीब होंगे, या फिर जिन गीतों में छठ का मर्म-भाव व तत्व होगा, उन्हीं गीतों को छठ घाटों पर, गलियों में सार्वजनिक तौर पर बजाया जाएगा, तो निस्संदेह वैसे ही गीत बनने-बजने लगेंगे, जो सदियों से हमारे दिलों के करीब रहे हैं। स्पष्ट है, समाज को अपने तईं प्रयास करना होगा। कुछ गायक तर्क देते हैं कि अश्लील गीतों को ‘मिलियन व्यूज’ मिल जाते हैं, जबकि उम्दा गीत अपने श्रोताओं को तरसते रहते हैं। इसलिए श्रोताओं को तय करना होगा कि उनको क्या सुनना चाहिए। वे अपने बच्चों या परिवार को क्या सुनाना चाहते हैं। श्रोता यह रोना नहीं रो सकते कि यही गाना चल रहा है।

छठ की पवित्रता को ध्यान में रखते हुए समाज को जागना चाहिए। मुझे भी अश्लील गीत गाने के ऑफर मिलते हैं। न कहने पर यह धमकी भी दी जाती है कि इस जीवन में गायक-कलाकार बनने का ख्वाब छोड़ दो। मगर अच्छी बात यह रही है कि जिन लोगों ने मुझे उस वक्त इस तरह की सलाह दी थी, वही अब मुझसे अच्छे गीतों की मांग करने लगे हैं। पूर्वांचल के सभी युवाओं को छठ पर्व से प्रेरणा लेते हुए अपनी संस्कृति के लिए दृढ़ता के साथ खड़ा होना चाहिए। ‘पब्लिक डिमांड’ के अनुसार गाने के बजाय मैंने पब्लिक की डिमांड बदलने के लिए गाने का प्रयास किया। इसका लाभ यह मिला कि चंद कार्यक्रम ही सही, पर वे यादगार रहे। मान-सम्मान और गरिमा-मर्यादा के साथ।

हां, एक सुखद बदलाव यह हुआ है कि अब हर साल अधिक से अधिक पुरुष व्रतियों की संख्या बढ़ रही है। हमारे समाज में जिउतिया से लेकर तीज जैसे अनेक पर्व हैं, जिनमें महिलाएं अकेले ही उपवास करती हैं, लेकिन छठ संभवतः इकलौता ऐसा पर्व है, जो पुरुषों में भी कोमल-कल्याण भाव जगा रहा है। छठ का त्योहार निश्चय ही पूरी आस्था के साथ मनाएं, लेकिन श्रोतागण जहां भी छठ गीतों में छेड़छाड़ देखें, तुरंत विरोध करें। मगर इसके साथ अच्छा यह भी होगा कि रचनाकार बेटियों पर केंद्रित अधिक से अधिक छठ गीत लिखें। ऐसा करने से छठ की मर्यादा भी बची रहेगी और उसके दायरे का भी अधिकाधिक विस्तार होगा। विंध्यवासिनी देवी तो गा भी चुकी हैं- पांच पुतर अन धन लछमी, लछमी मंगबई जरूर/ पियवा के काया मोरा कंचन, बर मंगबई जरूर...

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:- 9827806026, 7869620239

ओम क्रियेशन कार्ड्स
• फैंसी एनवेलोप्स • वेडिंग कार्ड • कैलेंडर
आकर्षक, मनमोहक, फैंसी
शादी कार्ड
रायपुर से कम दाम में
शॉप नं. 9301816830, मो.-9301182010
पचरी पारा, कुआ चौक, बस स्टैण्ड रोड, दुर्ग

ओम यूनिफॉर्म
स्कूल यूनिफॉर्म एंड जनरल ऑर्डर सप्लायर्स
रवि अग्रवाल-9302834646
इंदिरा मार्केट, फरिश्ता कॉम्प्लेक्स के पास, दुर्ग

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Surana Jewellers
Certified Gems
Mo. 9303452485
Jawahar Chowk, Durg

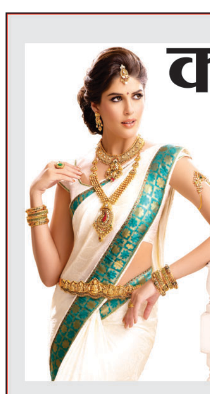
कोठारी ज्वेलर्स
सोने-चांदी के आभूषणों के विक्रेता एवं निर्माता
जवाहर चौक, दुर्ग 491001
0788-2249990
94252-42323 नितिन
98261-29990 पवन
93029- 29990

महक सेनीटेशन

आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरुम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

सहकारिता मंत्री ने किया माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना में गन्ना पेराई सत्र का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने आज प्रदेश के सुरजपुर जिले के विकासखण्ड प्रतापपुर के ग्राम केरता स्थित मां महामाया सहकारी शक्कर कारखाना में विधिवत पूजा-पाठ कर गन्ना पेराई सत्र 2022-23 का शुभारंभ किया। मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने इस अवसर पर किसानों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसानों के हित में सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने किसानों को लाभान्वित करने बोनस राशि देना स्वीकृत किया है।

यहां के गन्ना उत्पादक किसानों को भी बोनस राशि मिलेगी। इससे कारखाने में अच्छा गन्ना आएगा, पेराई होगी, शक्कर बनेगा और इसका लाभ किसानों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए वैकल्पिक कृषि को अपनाने की आवश्यकता है। शक्कर कारखाना में गन्ना की आपूर्ति के लिए किसान बड़ी संख्या में अपने खेत में इसका उत्पाद कर लाभ उठा सकते हैं। मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि कारखाना स्थापना से क्षेत्र के गन्ना उत्पादक कृषकों के जीवन स्तर में सुधार आया है। पेराई सत्र एवं मरम्मत कार्य के दौरान प्रति दिवस आस-पास के गांवों के लगभग 300-400 मजदूरों, बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। कारखाने में 20 केएलपीडी ईथेनॉल प्लांट स्थापना के लिए पुणे की बसंत दादा शर्करा संस्थान से डीपीआर तैयार कराया जा चुका है। राज्य शासन से इसका प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है, जिससे संस्था को अतिरिक्त आय होगी। उन्होंने कहा कि कारखाने में 6 मेगावाट टरबाइन स्थापित है, जिसमें से 3.5 से 4 मेगावाट का पेराई सीजन के दौरान विद्युत का उपयोग किया जाता है। शेष 2 से 2.5 मेगावाट विद्युत विक्रय के लिए आवश्यक एग्जिट इन्फ्रास्ट्रक्चर के अंतर्गत स्विचयार्ड, सिंक्रोनाइजेशन पैनल का निर्माण का 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। नवंबर माह के अंतिम सप्ताह में यह कार्य प्रारंभ हो जाएगा। कारखाने में 20 हजार मीट्रिक टन का नवीन स्थायी शक्कर गोदाम निर्माण एवं 5 हजार मीट्रिक टन मोलासिस टैंक निर्माण किया जा रहा है। शक्कर गोदाम का निर्माण कार्य लगभग 60 प्रतिशत और मोलासिस टैंक निर्माण कार्य लगभग 50 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष का पेराई सीजन सभी के सहयोग से अनवरत एवं बहुत अच्छे से संपादित हो। उन्होंने सभी गन्ना उत्पादक किसानों एवं कारखाने से संबद्ध समस्त इंजीनियर तथा कर्मचारी साथियों को शुभकामनाएं दी। गन्ना पेराई सत्र 2022-23 में जिला सरगुजा, सूरजपुर एवं बलरामपुर के 16 विकाखखण्डों से गन्ना रकबा 10,958.782 हेक्टेयर से 17,240 पंजीकृत कृषकों को 4 लाख मीट्रिक टन गन्ना पेराई करने का लक्ष्य रखा गया है। भारत सरकार द्वारा इस वर्ष गन्ने का समर्थन मूल्य रिकवरी 9.50 प्रतिशत पर निर्धारित 282. 125 रुपए प्रति क्विंटल भुगतान किया जाएगा। साथ ही रिकवरी 9.5 प्रतिशत से अधिक होने पर 1 प्रतिशत पर 3 .05 प्रति क्विंटल प्रति क्विंटल अतिरिक्त गन्ना मूल्य भुगतान किया जाएगा।

कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा ने कहा कि गन्ना पेराई प्रारंभ होने से तीनों जिले सूरजपुर, सरगुजा, बलरामपुर के किसानों को लाभ मिलेगा। मां महामाया सहकारी शक्कर कारखाना के अध्यक्ष श्री विद्यासागर सिंह एवं उपाध्यक्ष जितेंद्र दुबे ने किसानों को सही समय पर गन्ना विक्रय करने कहा जिससे किसानों के गन्ने की समय पर खरीदी की जा सके। इस अवसर पर कुमार सिंहदेव, मां महामाया सहकारी शक्कर कारखाना के महाप्रबंधक, प्रबंध संचालक, संचालक मंडल के सदस्य, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में किसान एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

इस दीवाली जरूरतमंदों के चेहरे में भी खुशियों की चमक देखने को मिली

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दीपावली याने रोशनी का त्योहार। जहां इस वर्ष गली-मोहल्ले से लेकर घर-आंगन रोशन रहे। वही कुछ घर ऐसे भी थे जहां न दीपों की रोशनी थी और न रंग बिरंगे कपड़े और फटाखे थे। ऐसे जरूरतमंद गरीब परिवारों की मदद करने और उनकी अंधेरी दुनिया को रोशन करने के लिए जन समर्पण सेवा संस्था, दुर्ग ने कदम उठाया। संस्था के सदस्यों ने इस वर्ष दिनाँक 19 से 27 अक्टूबर तक पूरे जिले में खुशियों की दीपवाली सप्ताह बनाया गया।

जिसमें संस्था ने पूरा सप्ताह जरूरतमंदों तक हर वह सामग्री पहुचाई जिससे गरीब और हर जरूरतमंदों की दीपवाली भी खुशियों भरी हो, इस वर्ष संस्था द्वारा सैकड़ों जरूरतमंदों को दीपवाली का उपहार देकर सबको खुशियों की दीवाली बनाने की सामग्री वितरण की, खुशियों की दीपवाली सप्ताह के अंतिम दिवस भाई दूज एवं गोवर्धन पूजा के दिन बुजुर्गों, वृद्ध महिलाओं, एवं छोटी बच्चियों के साथ भाई दूज बनाकर खुशियों की दीपवाली कार्यक्रम का समापन किया गया, और साथ ही साथ गोवर्धन पूज के दिन पुलगांव स्तिथ गौठान में सभी गौ माता के लिए हरी घास, रोटी, एवं चारा दान दिया गया और संस्था के सदस्यों द्वारा गौ माता की पूजा अर्चना की गयी। जन समर्पण सेवा संस्था के सदस्य अमीर, गरीब सबकी दिवाली खुशियों वाली चाहते हैं। त्योहार पर किसी जरूरतमंद की आंखों में चमक आ जाए और वह मुस्कुरा दे तो उनके दिल को सुकून मिल जाता है।

जन समर्पण सेवा संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी ने बताया कि संस्था के सदस्य इस वर्ष दिनाँक 19 से 27 अक्टूबर तक प्रतिदिन अलग अलग स्थानों में जाकर जरूरतमंदों को नये कपड़े, मिठाई, फटाखे, नमकीन, साबुन निरमा एवं अन्य जरूरत की सामग्री वितरण किये, संस्था द्वारा दुर्ग-भिलाई के वृद्धाआश्रम, अनाथ आश्रम में लगभग 150 से अधिक बुजुर्गों को नया कुर्ता पैजामा, एवं महिलाओं को नयी साड़ी के साथ साथ मिठाई से भरा डब्बा, नमकीन साबुन, निरमा, बिस्किट, का वितरण किया गया, इसके साथ साथ मंदबुद्धि स्कूल, मानवता शाला, निचली बस्ती एवं अंजोरा चौक से लेकर कुम्हारी चौक तक फुटपात में जीवन यापन करने वाले लगभग 300 से अधिक बच्चों एवं उनके परिवार जनोँ को नया कपड़ा, मिठाई, नमकीन, साबुन, निरमा, चॉकलेट, बिस्किट, एवं रंग बिरंगे फटाखे का वितरण किया गया, संस्था द्वारा प्रत्येक जरूरतमंदों को दी गयी सामग्री की मात्रा इतनी दी गयी।

खास खबर

छत्तीसगढिया़ ओलंपिक में तीसरे चरण की प्रतियोगिताएं शुरू

रायपुर। राज्य सरकार के विशेष पहल से छत्तीसगढिया़ ओलंपिक खेलों का आयोजन किया जा रहा है। विभिन्न 6 स्तरों में आयोजित होने वाली इस स्पर्धा में आज तीसरे स्तर, विकासखंड/नगरीय क्लस्टर की प्रतियोगिता का आरंभ हुआ। पहले चरण में राजीव युवा मितान क्लब और दूसरे चरण में जोन स्तर पर खेलों का सफल आयोजन हुआ। तीसरे चरण में जोन स्तरीय प्रतियोगिता के विजेता भाग ले रहे हैं। छत्तीसगढिया़ ओलंपिक 2022-23 के विकासखंड/नगरीय क्लस्टर स्तर खेलों का आयोजन 28 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक किया जाएगा। जिसमे आज 28 अक्टूबर को रायपुर के सुभाष स्टेडियम में भौंरा, फुगड़ी, कबड्डी, खो-खो, गेड़ी दौड़, रस्साकसी का आयोजन किया गया। इसी तरह 29 अक्टूबर को सुभाष स्टेडियम में बिल्लस, बांटी (कंचा), पिट्ठूल, संखली, गिल्ली डंडा की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी और कोटा स्टेडियम में लंगड़ी दौड़, 100 मी. दौड़, लंबी कूद का आयोजन किया जाएगा। जनप्रतिनिधियों से लेकर अधिकारियों और आमजनों में इन खेलों में भाग लेकर खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। रायपुर में विकासखंड/ नगरीय क्लस्टर स्तर की प्रतियोगिताओं के आरंभ दिवस पर नगर पालिक निगम रायपुर के महापौर ऐजाज़ ढेबर, योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे, नगर निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी, और एमआईसी सदस्यों ने खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। मैदान पर जनप्रतिनिधियों से लेकर अधिकारियों की मौजूदगी के कारण खिलाडियों से लेकर दर्शकों तक में खुशी की झलक दिखी।

मुख्यमंत्री ने 50 करोड़ 62 लाख रूपये के 166 विकास कार्यों की दी सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज कांकेर जिले के चारामा में आयोजित कार्यक्रम में कांकेर जिले के लिए 50 करोड़ 62 लाख रूपये के 166 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इन कार्यों में 40 करोड़ 35 लाख रूपये के 106 विकास कार्यों का भूमिपूजन और 10 करोड़ 20 लाख रूपये के 21 कार्यों का लोकार्पण किया गया। इसके अलावा उनके द्वारा हितग्राहीमूलक योजनाओं में सामग्री व चेक का वितरण भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने जिन कार्यों का भूमिपूजन किया, उनमें भानुप्रतापपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत चिल्हाटी गौठान में समूह के लिए आजीविका कार्यकलाप हेतु 07 लाख 60 हजार रूपये का वर्क शेड निर्माण एवं वार्ड क्रमांक-08 गौठान में 22 लाख 20 हजार रूपये के 03 नग शेड निर्माण कार्य, कन्या आश्रम किनारी में 23 लाख 45 हजार रूपये से 50 सीटर प्री.मैट्रिक आदिवासी कन्या आश्रम में आहाता निर्माण कार्य पुल-पुलिया सहित, नगर पंचायत भानुप्रतापपुर के विभिन्न वार्डो में अधोसंरचना मद से 02 करोड़ 81 लाख रूपये के सी.सी.रोड व नाली निर्माण कार्य तथा 15वें वित्त आयोग मद अंतर्गत 44 लाख रुपये की लागत से विभिन्न वार्डों में सी.सी.रोड व नाली निर्माण कार्य, कोरर-तरांदूल मार्ग में 02 करोड़ 30 लाख 29 हजार रूपये की लागत से 2.10 किलोमीटर पुल-पुलिया सहित, घोटिया से बोटेचांद तक सड़क नवीनीकरण सह नियमित संधारण कार्य लंबाई 3.15 किलोमीटर लागत 45 लाख 01 हजार रूपये, ग्राम पंचायत परवी में नरवा विकास कार्यक्रम अंतर्गत मांगरा नाला भाग-02 नालों का उपचार कार्य लागत 01 करोड़ 12 लाख 56 हजार 700 रूपये, ग्राम पंचायत डोंगरकट्टा में नरवा विकास कार्यक्रम अंतर्गत बयानार नालों का उपचार कार्य लागत 88 लाख 81 हजार 700 रूपये तथा ग्राम पंचायत नारायणपुर के सेमरपारा, ग्राम पंचायत कन्हारगांव के पाण्डरपुरी, ग्राम पंचायत बोगर के निषादपारा और ग्राम पंचायत भेजा के गांडापारा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य लागत 05-05 लाख रूपये के कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम में चारामा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत जेपरा के बांधापारा में दुलार घर से नारद घर तक 300 मीटर सी.सी.रोड निर्माण लागत 07 लाख 39 हजार 600 रूपये, खासपारा बड़ेगौरी में 330 मीटर सी.सी.रोड़ निर्माण लागत 08 लाख 15 हजार 900 रूपये, ग्राम पंचायत चांवड़ी के जुर्रीपारा बरकच्छार में 300 मीटर सीसी रोड निर्माण लागत 07 लाख 39 हजार 600 रूपये, चारामा में आदिवासी समाज हेतु सामुदायिक भवन निर्माण पूर्व में निर्मित भवन के ऊपर लागत 12 लाख रूपये, ग्राम पंचायत सराधुनवागांव के काउ डंक में वर्किंग हेतु सामने एवं पीछे शेड एवं पेवर ब्लाक कार्य लागत 06 लाख 61 हजार रूपये, ग्राम पंचायत जेपरा से बांधापारा मार्ग पर डब्ल्यूबीएम सड़क निर्माण लागत 19 लाख 80 हजार रूपये, तुएगहन, पंडरीपानी, करिहा ग्राम पंचायत में नरवा विकास के अंतर्गत चयनित रौतकोनहा नालों का उपचार कार्य लागत 01 करोड़ 69 लाख 78 हजार 800 रूपये, ग्राम पंचायत लखनपुरी एवं उडकुडा में नरवा विकास के अंतर्गत चयनित लखनपुरी नालों का उपचार कार्य लागत 62 लाख 65 हजार 700 रूपये, कांटागांव से भोथा सड़क निर्माण कार्य लंबाई 3.10 किलोमीटर पुल-पुलिया सहित लागत 03 करोड़ 14 लाख 10 हजार रूपये तथा ग्राम पंचायत पंडरीपानी के जुनवानी हल्बा, ग्राम पंचायत बागडोंगरी के हिंगनझर में सामुदायिक भवन निर्माण लागत 10 लाख रूपये, ग्राम पंचायत कुर्रूटोला के गिधाली में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य लागत 05 लाख रूपये, ग्राम पंचायत भिरौद के आवासपारा में रंगमंच निर्माण कार्य लागत 05 लाख रूपये, शहीद गैंदसिंह महाविद्यालय जैसाकर्रा में जीर्णोद्धार कार्य लागत 06 लाख 40 हजार रूपये, ग्राम पंचायत चांवड़ी में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य लागत 10 लाख रूपये के कार्यों का भूमिपूजन किया।

धान खरीदी के लिए जिले में सभी आवश्यक तैयारी पूर्ण

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। राज्य शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 के लिए जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप जिले में 1 नवम्बर से 31 जनवरी 2023 तक 82 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से धान खरीदी की जायेगी। धान खरीदी कार्य प्रारंभ करने हेतु प्रशासनिक तैयारी पूर्ण कर ली गई है। कलेक्टर श्री प्रभात मलिक के निर्देशन में गरियाबंद जिले में धान खरीदी की सम्पूर्ण प्रशासनिक तैयारी 01 नवंबर से पहले कर ली गई है। डी. एम. ओ., सी.सी.बी. एवं खाद्य विभाग द्वारा चेक लिस्ट के माध्यम से उक्त जानकारी मंगायी गयी है।

गरियाबंद जिले में 82 उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी प्रारंभ करने की तैयारी हो गई है। सभी जगह बिजली, पानी, जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं के साथ-साथ 35 बिंदुओ के चेकलिस्ट अनुरूप तैयारी पूर्ण होने की जानकारी उपार्जन केन्द्रों के नोडल अधिकारियों ने प्रपत्र एवं ऐप के माध्यम से दी है। जिला स्तर के अधिकारियों को भी सभी उपार्जन केन्द्रों में सेक्टर/जोनल अधिकारियों की जिम्मेदारी दी गई है। जिनके प्रपत्र में रिपोर्ट प्राप्त हो गए है। प्रारंभिक व्यवस्थाएं सुचारू हो गई है। जिले में सीमावर्ती राज्य से अवैध धान के परिवहन, भण्डारण खपाने की संभावना को देखते हुए 28 चेक पोस्ट चौकी बनाया। गया है। जिसमें विभिन्न पालियों में अधिकारी कर्मचारी की ड्यूटी लगायी गयी है। गरियाबंद जिले में तहसीलदार के नेतृत्व खाद्य, मण्डी, सहकारिता, राजस्व का विकासखंड स्तरीय संयुक्त जांच दल का गठन किया गया है। जो अपने सम्पूर्ण प्रभार क्षेत्र के सभी उपार्जन केन्द्रों के साथ-साथ सीमावर्ती क्षेत्रों का सतत् निगरानी एवं छापेमार कार्यवाही करेंगें। गरियाबंद जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 की धान खरीदी व्यवस्था के सुचारू रूप से संचालन हेतु जिला स्तरीय फ्लाईंग स्क्वाड का भी गठन किया गया है। गरियाबंद जिले में धान खरीदी के दौरान कृषकों को आने वाली समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु राज्य स्तरीय कॉल सेन्टर नम्बर 1800-233-3663 और किसान हेल्पलाईन डायल-112 (सब्बो काम बर एकेच नम्बर) के साथ-साथ कार्यालय कलेक्टर के खाद्य शाखा के कक्ष क्रमांक 74 एवं लैण्ड लाईन नम्बर 07706-296344 में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जहां पर कृषक अपनी समस्या अथवा शिकायत का निराकरण दूरभाष अथवा अन्य माध्यम से सुबह 10 बजे से सायं 06 बजे तक करा सकेंगें। इसके लिए अधिकारी एवं कर्मचारी की ड्यूटी लगायी गयी है।

आस्था का महापर्व 'छठ': मनीष पाण्डेय ने की तालाब में साफ पानी, सफाई व सुरक्षा व्यवस्था की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नहाय-खाय के साथ ही आज से भगवान सूर्य के उपासना के महापर्व छठ पर्व की शुरूआत हो गई। जिसके लिए इस्पात नगरी के सभी तालाबों में तैयारियां भी अंतिम चरण पर है। इसी क्रम में आज तालाब में तैयारियों का जायजा लेने श्रीराम जन्मोत्सव समिति के युवा शाखा अध्यक्ष मनीष पाण्डेय सेक्टर 2 छठ तालाब पहुंचे। इस दौरान तालाब में उन्होंने श्रद्धालुओं के आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही तालाब में स्वच्छ पानी, सफाई व्यवस्था के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को दुरूस्त किये जाने की मांग की।

श्री पाण्डेय ने बताया कि नहाय-खाय के साथ ही आज से छठ महापर्व की शुरूआत हो चुकी है। इस्पात नगरी जो कि लघु भारत का स्वरूप है, यहां पर इस महापर्व को बहुत ही हर्षोल्लास के मनाया जाता है। भिलाई के विभिन्न तालाबों में हजारों की संख्या में श्रद्धालु जुटकर भगवान सूर्य की उपासना करते हैं। उन्होंने बताया कि छठ पूजा की तैयारियों का जायजा लेने आज सेक्टर-2 तालाब पहुंचा, जहां पूरे छठ घाट का निरीक्षण किया। श्री पाण्डेय ने बताया कि यहां तालाब में गंदगी के साथ ही कुंड का पानी भी काफी गंदा है।

इस संबंध में अधिकारियों से चर्चा कर तालाब में साफ पानी, सफाई व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था दुरूस्त किये जाने की मांग की। इस दौरान प्रशांत पाण्डेय, रिंकू साहू, जे. श्रीनिवास राव, अशोक यादव, कामिल राबर्ट, रोहित तिवारी, विशाल सिंह, हरीश यादव, सागर शुक्ला, आशीष अग्रवाल, रविन्द्र राउल, गजेंद्र यादव, कन्हैया आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

कलेक्टोरेट मुख्य द्वार के समीप छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा लगाने चल रहे कार्यों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे एवं नगर निगम रायपुर के कमिश्नर और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के एम डी मयंक चतुर्वेदी ने कलेक्टोरेट परिसर के मुख्य द्वार के समीप छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा स्थापित करने के लिए चल रहे कार्यों का निरीक्षण कर संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य शीघ्र ही पूरे करें ताकि जल्द ही लोकार्पण भी किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आसपास के क्षेत्रों का सौंदर्यीकरण, लाइटिंग की भी पर्याप्त व्यवस्था हो। इस अवसर पर संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर

धान खरीदी के लिए राज्य स्तर पर कन्ट्रोल रूम

रायपुर। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की व्यवस्था की मॉनिटरिंग एवं सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए विपणन संघ मुख्यालय में राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। नियंत्रण कक्ष का दूरभाष क्रमांक +91-0771-2425450 है। नियंत्रण कक्ष शासकीय कार्य दिवसों में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक और रविवार एवं अन्य शासकीय अवकाश के दिनों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक कार्यशील रहेगा। नियंत्रण कक्ष संचालन के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ द्वारा जारी संशोधित आदेश अनुसार विकास अधिकारी मनीष सोनी को नोडल अधिकारी एवं नियंत्रण कक्ष प्रभारी नियुक्त किया गया है। मनीष सोनी का मोबाइल नम्बर +91-9424244807 है। इसी प्रकार नियंत्रण कक्ष में प्रोग्रामर मनुगौरव सिंह, उप प्रबंधक संतोष पाठक और जितेन्द्र कुमार साहू (जॉब दर डाटाएन्ट्री ऑपरेटर) को पदस्थ किया गया है। यह अधिकारी नियंत्रण कक्ष में प्रात: 9 बजे से शाम 5 बजे तक तैनात रहेंगे। इसके अलावा रविवार और शासकीय अवकाश के दिनों के लिए नियंत्रण कक्ष में अन्य कर्मचारियों की भी ड्यूटी लगायी गई है।

नोडल अधिकारी एवं नियंत्रण कक्ष प्रभारी धान उपार्जन निराकरण तथा अन्य अनुषांगिक कार्यों की दैनिक तथा प्रगतिशील जानकारियां संकलित करेंगे। नियंत्रण कक्ष में प्राप्त शिकायतों एवं सुझावों को पंजीबद्ध किया जायेगा। नियंत्रण कक्ष द्वारा धान उपार्जन, निराकरण से संबंधित महत्वपूर्ण रिपोर्ट जैसे की बारदाना जारी और प्राप्ति संबंधी प्रविष्टि, धान प्राप्ति एवं जारी की स्टके प्रविष्टि, माइसचर एवं सीपेज धान की स्टेक प्रविष्टि, संग्रहण केन्द्र में सामग्री की आवक-जावक की प्रविष्टि और समितियों से जारी डी.एम. की संग्रहण केन्द्र में प्राप्ति आदि की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाएगी।

रेलवे से मिली अनुमति, दिसंबर में शुरू होगा चंदनीडीह एसटीपी प्लांट

रायपुर (ए)। जीवनदायिनी खारुन नदी को रायपुर शहर के सबसे बड़े चिंगरी नाले के पानी से प्रदूषण-मुक्त रखने के लिए चंदनीडीह में प्रस्तावित एसटीपी प्लांट दिसंबर में शुरू हो जाएगा। रेलवे की लाइन बीच में आने की वजह से इसका निर्माण कार्य आठ माह से लटका हुआ था। अब रेलवे और नगर निगम के बीच सहमति बनने से रास्ता साफहो गया है। यह प्लांट 100 करोड़ की लागत से बन रहा है। इससे तीन-चार क्षेत्रों में पेयजल पहुंचेगा। रेलवे लाइन के नीचे से पाइपलाइन बिछाकर पानी को साफकरने के लिए चंदनीडीह ले जाना है। ऐसे में इस पूरे प्रोजेक्ट को पूरा होने में फरवरी तक का समय लगने की संभावना है। वहीं भाठागांव एनीकट के पास बनाए गए चेंबर में कचरा जाम हो रहा है और गंदा पानी नाले में जाकर मिल रहा है। भाठागांव की ओर से चिंगरी नाले के पानी को जोड़ने की प्रक्रिया फरवरी तक, जबकि अटारी सहित अन्य क्षेत्रों की पाइपलाइन अगले महीने तक जोड़कर प्लांट की भी शुरुआत करने का दावा किया जा रहा है।

गैर संचारी रोगियों के समुचित ईलाज की व्यवस्था सुनिश्चित हो: मंत्री सिंहदेव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा है कि गैर संचारी रोगों के रोकथाम और ईलाज की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव मंत्रालय महानदी भवन में यूनिवर्सल हेल्थ केयर के अंतर्गत गैर संचारी रोगों के ईलाज की व्यवस्था संबंधी समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में गैर संचारी रोग जैसे कैंसर (मुख, स्तन, सर्वाइकल आदि) मधुमेह, रक्तचाप, हृदय रोग, किडनी रोग के रोगियों की ईलाज की त्वरित व्यवस्था की जानी चाहिए। श्री सिंहदेव ने कहा कि इन बीमारियों का देर से ईलाज होने के कारण बीमारी जटिल रूप ले लेती है, जिससे मरीजों के परिजनों एवं मरीजों को काफी परेशानी होती है।

बैठक में पीएचएफआई द्वारा सार्वभौमिक स्वास्थ्य कव्हरेज की कार्ययोजना का प्रेजेंटेशन के जरिए विस्तार से प्रस्तुतिकरण किया गया। पीएचएफआई के प्रतिनिधियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन प्रदेश में आमजन को सार्वभौमिक स्वास्थ्य के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। छत्तीसगढ़ में यूनिवर्सल हेल्थ केयर का उद्देश्य है कि सभी के लिए समान रूप से स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करायी जाए। गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं में उपचार डायग्नोटिक्स दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाना है। जिससे आमजन को आर्थिक कठनाईयों का सामना न करना पड़े। बैठक में पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य योजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। जिसमें बताया गया कि स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार हेतु सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने एवं फीड बैक प्रणाली विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी मिल सके। निजी स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र को संलग्न और विनिमित कर राज्य स्वास्थ्य की स्थापना करके समग्र स्वास्थ्य प्रशासन और प्रबंधन को सुदृढ़ करने एक विश्वसनीय स्वास्थ्य सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली स्थापित की जा रही है। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के सचिव प्रसन्ना आर. ने राज्य शासन की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं और स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में स्वास्थ्य संचालक भीम सिंह, मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भोसकर विलास संदीपान के अलावा डॉ. कमलेश जैन, डॉ. योगेश जैन एवं एनसीडीआई गरीबी आयोग हावर्ड से विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. नील गुप्ता वर्चुअल रूप से शामिल हुए।

सरकारी अस्पतालों में सभी आवश्यक दवाओं का स्टाक जरूरी: टीएस सिंहदेव

रायपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री टी.एस.सिंहदेव ने कहा है कि सभी जिला अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं अन्य हेल्थ सेंटरों में मरीजों के ईलाज के लिए पर्याप्त दवाओं का स्टाक होना चाहिए। उन्होंने कहा है कि लोगों के ईलाज के लिए धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए पर्याप्त मात्रा में बजट उपलब्ध कराया जा रहा है।

मंत्रालय महानदी भवन में आज स्वास्थ्य मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव की अध्यक्षता में यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया द्वारा छत्तीसगढ़ में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज हेतु प्रारंभिक योजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। रिपोर्ट में बताया गया कि छत्तीसगढ़ शासन प्रदेश में आमजन को सार्वभौमिक स्वास्थ्य के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। छत्तीसगढ़ में यूएचसी का उद्देश्य सभी के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए समान रूप् से स्वास्थ्य सुविधायें प्रदान करना है। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं में उपचार, डायग्नोस्टिक, दवाइयों की उपलब्धता, पुनर्वास और उपशामक सेवाएं नि:शुल्क प्रदान किया जाना है जिससे कि आमजन को किसी प्रकार की आर्थिक कठिनाई का सामना न करना पड़े। पीएचएफआई के प्रतिनिधियों ने बताया कि स्वास्थ्य पर सार्वजनिक खर्च को मौजूदा 5-6 प्रतिशत से बढ़ाकर 8-10 प्रतिशत करने की बात कही गई है। जिससे कि स्वास्थ्य पर लोगों द्वारा कम व्यय हो। स्वास्थ्य के लिए मानव संसाधन की स्थिति में सुधार, प्रशिक्षण, प्राथमिक देखभाल के स्तरों पर सेवा वितरण को सुदृढ़ करने के साथ प्रदेश में जनसंख्या के स्वास्थ्य स्तर को बनाए रखना जरूरी है। बीमा कवरेज का विस्तार कर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने एवं दवाओं के लिए एक कुशल खरीद व्यवस्था और वितरण तंत्र को विकसित करना आवश्यक है। स्वास्थ्य सेवा वितरण के हर स्तर पर गुणवत्ता सुनिश्चित कर सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने एवं फीडबैक प्रणाली विकसित करने का विचार किया जाना जरूरी है। निजी स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र को संलग्न और विनियमित कर राज्य स्वास्थ्य की स्थापना करके समग्र स्वास्थ्य प्रशासन और प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के साथ एक विश्वसनीय स्वास्थ्य सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रणाली स्थापित करने को कहा है। बैठक में स्वास्थ्य सचिव श्री आर. प्रसन्ना, स्वास्थ्य संचालक श्री भीम सिंह, मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन श्री भोस्कर विलास संदिपान के अलावा स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।

दिव्य जीने की कला सिखाती है संबोधि साधना: शांतिप्रिय सागर

रायपुर (ए)। एमजी रोड स्थित जैन दादावाड़ी में पांच दिवसीय संबोधि ध्यान योग शिविर का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ जिसमें रायपुर के विभिन्न क्षेत्रों से आए सैकड़ों संबोधि साधकों ने सक्रिय योग साधना, सचेत श्वास साधना, प्रभु-प्रार्थना एवं विश्व शांति मंत्रोच्चार के साथ आध्यात्मिक जीवन जीने का आनंद लिया।

इस अवसर पर डॉ मुनि शांतिप्रिय सागर महाराज ने कहा कि संबोधि ध्यान न केवल दिव्य जीने की कला सिखाता है वरन् हमारे तन-मन-चेतना की चिकित्सा भी करता है। धर्म बाहरी क्रियाकांडों को ओढने् का नाम है जबकि संबोधि ध्यान खुद को बेनकाब करने की प्रेरणा है। परिस्थिति बदलने के बावजूद मनस्थिति को अच्छा बनाए रखना ही संबोधि साधना है। अच्छा व्यवहार करने वाले के साथ अच्छा व्यवहार करना संसार है, पर बुरा व्यवहार करने वाले के साथ भी अच्छा व्यवहार करना संबोधि साधना है। संबोधि ध्यान का रहस्य बताते हुए संतश्री ने कहा कि श्वास से जीवन चलता है, पर ध्यान से जीवन बढ़ता है। सारे धर्म अगले जीवन को स्वर्ग बनाते हैं जबकि ध्यान इसी जन्म को स्वर्ग बनाता है। उन्होंने कहा कि संबोधि ध्यान केवल आंख बंद करने का नाम नहीं है वरन् जीवन की हर छोटी से छोटी गतिविधि को जागरूकता पूर्वक करने का नाम ध्यान है। संबोधि ध्यान का उद्देश्य व्यक्ति को एकाग्र एवं तरोताजा करना है। जैसे महिला पापड़ सेकते समय पल-पल सावधान रहती है वैसे ही अगर व्यक्ति जीवन की हर गतिविधि को ध्यान एवं सावधानी पूर्वक करने लग जाए तो वह समाधि के बद तालों को खोल सकता है। इस अवसर पर मुनि ने साधक भाई बहनों को आरोग्य लाभ और रोग निवारण के लिए मूवमेंटेबल योगा, पावर योगा, स्ट्रैचिंग योगा के अभ्यास करवाएं। शनिवार को सुबह 6 बजे करवाए जाएंगे विशेष योग के प्रयोग - जैन दादावाड़ी में शनिवार को सुबह 6:00 से 8:30 बजे तक मन की शांति, आध्यात्मिक विकास और रोगों से छुटकारा पाने के लिए योग और ध्यान के विशेष प्रयोग करवाए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा लगाने चल रहे कार्यों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

रायपुर (ए)। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे एवं नगर निगम रायपुर के कमिश्नर और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के एम डी मयंक चतुर्वेदी ने कलेक्टोरेट परिसर के मुख्य द्वार के समीप छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा स्थापित करने के लिए चल रहे कार्यों का निरीक्षण कर संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया।

कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य शीघ्र ही पूरे करें ताकि जल्द ही लोकार्पण भी किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आसपास के क्षेत्रों का सौंदर्यीकरण, लाइटिंग की भी पर्याप्त व्यवस्था हो। इस अवसर पर संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

किसी से तुरंत प्रभावित मत होना,जो अप्रभावित रहेगा वही धर्म का पालन कर पाएगा: आचार्य विशुद्ध सागर

रायपुर। ज्ञानियों प्रभावित होने से कभी धर्म का पालन नहीं हो सकता है,जो अप्रभावित रहेगा, वही धर्म का पालन कर सकता है, इसलिए किसी से भी तुरंत प्रभावित नहीं होना। यह संदेश आचार्यश्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने शुक्रवार को फाफाडीह में जारी चातुर्मासिक प्रवचनमाला में दिया। आचार्यश्री ने कहा कि मित्रों जानों इस रहस्य को, आप खाना लेकर दुकान जाते ही होंगे, कभी न कभी अपने पिताजी के लिए भी दुकान पर खाना लेकर गए होंगे, आप उस दिन भी भोजन लेकर गए थे जिस दिन रिमझिम रिमझिम बारिश गिर रही थी,लेकिन टिफिन बंद था,पानी की बूंदे टिफिन पर गिरी थी पर भीतर रखी खीर पूड़ी को कुछ नहीं हुआ। मित्रों जब सीलबंद टिफिन में पानी की बूंदे कुछ नहीं कर सकी, ऐसे आप चाहो

पश्चिमबंगाल जाओ या अमेरिका जाओ, जैसे पैक टिफिन में पानी प्रवेश नहीं कर सका, ऐसे आप अप्रभावित रहना,अपना भी ढक्कन बंद करके रखना,चाहे आप देश में जाओ या विदेश में जाओ, धर्म कमाने जाना, धर्म बेचने नहीं जाना।

आचार्यश्री ने कहा कि विज्ञान धर्म हो न हो लेकिन धर्म विज्ञान है। विज्ञान मात्र विज्ञान है परंतु धर्म वीतराग विज्ञान है। इस वीतराग विज्ञान को जिसने समझ लिया, उस जीव ने विश्व को समझ लिया। अज्ञ प्राणी जीवन जीने के लिए बहुत कुछ करते हैं कि मेरा जीवन सुखमय हो परंतु विज्ञ प्राणी धर्म करने के लिए जीता है, जीवन अपने आप सुखमय हो जाता है। सुखमय जीवन जीने के लिए आपने अज्ञान का आश्रय लिया है तो संक्लेषता को प्राप्त हुए और सुखमय जीवन जीने के लिए आपने विज्ञान का आश्रय लिया है,विश्वास मानिए क्लेष से पूरित होंगे। मित्रों यदि आपने सुखमय जीवन जीने के लिए धर्म का आश्रय लिया है तो परम सुखी हो जाओगे। आचार्यश्री ने कहा कि लोग कहते हैं मैं निरोग रहूं,स्वस्थ रहूं,विज्ञान कह रहा है गर्म पानी पियो। मित्रों विज्ञान जो कह रहा है वह मात्र शरीर को स्वस्थ करने के लिए गर्म पानी पिला रहा है, पर क्रूरता से भरा हुआ है। ज्ञानियों धर्म कहेगा जीवों की रक्षा करो, पानी को छानकर, बिलछानी कुंए में डालकर,प्रासुक करके पानी का प्रयोग करो,जीवों की रक्षा होगी। जब आप नाना जीवों की रक्षा करोगे,उसमें आप भी एक जीव हो। अप्रासुक बगैर छना पानी पियोगे तो शरीर में रोग होंगे, आपकी मृत्यु हो जाएगी,आप अन्य जीवों के हत्यारे हो जाओगे और स्वयं के भी हत्यारे हो जाओगे। आचार्यश्री ने कहा कि आपके आश्रित जो कुटुंब के लोग जीने वाले थे,उनको तुम बिछोह करके चले गए,छोटे-छोटे आपके बच्चे थे,वे पिता व माता के अभाव में बिलखेंगे। इतना ही नहीं किया आप एक ज्ञानी जीव थे,बलिष्ठ थे, समाज के मुखिया थे,आपने समाज का भी अहित कर दिया, कदाचित आप बदल जाते तो धर्मात्मा बन जाते, लेकिन आपने धर्मात्मा का भी अहित कर दिया।

राज्य में सिंगल यूज प्लॉस्टिक के विलोपन हेतु जनजागरूकता पर जोर

सभी शासकीय कार्यालयों को सिंगल यूज प्लॉस्टिक से मुक्त करने निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में सिंगल यूज प्लॉस्टिक के विलोपन अथवा उसके उपयोग को समाप्त करने हेतु जनजागरूकता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस तारतम्य में विगत दिनों मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में गठित टास्क फोर्स की आयोजित प्रथम बैठक में विभिन्न औद्योगिक संस्थानों एवं विभागों को सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्प तलाशने व देश के अन्य राज्यों में लागू सर्वोत्तम व्यावहारिक तरीकों को अपने राज्य में लागू करने की संभावना को तलाशा जाने के निर्देश दिए गए। जिसमें यह भी निर्देशित किया गया कि सिंगल यूज प्लास्टिक के विलोपन के संबंध में जनजागरूकता के लिए व्यापक स्तर पर अभियान भी चलाया जाए।

मुख्य सचिव जैन द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के विलोपन के संबंध में भारत सरकार से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्ययोजना पर प्रभावी ढंग से अमल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। इसके तहत राज्य के समस्त शासकीय कार्यालय को सिंगल यूज प्लॉस्टिक से मुक्त करने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने कार्यालय प्रमुखों से कहा गया है। इसी तरह उद्योग विभाग तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को सिंगल यूज प्लॉस्टिक से संबंधित नियमों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों को सूचीबद्ध करने तथा सिंगल यूज प्लॉस्टिक के रिसाईक्लर, ब्रान्ड ऑनर एवं प्रोड्यूसर को पंजीकृत करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसके अलावा एनजीटी के आदेश के अनुक्रम में जिला स्तर पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए पूर्व में जिला स्तरीय टास्क फोर्स गठित की गई है। मुख्य सचिव द्वारा उक्त समिति को सिंगल यूज प्लॉस्टिक के विलोपन हेतु सतत् निगरानी के निर्देश दिए गए।

इस बैठक में सिंगल यूज प्लॉस्टिक के विकल्प के रूप में दोना पत्तल एवं अन्य लघु वनोपज के बढ़ावा देने के लिए टेक्नीकल इंटरवेन्शन के लिए अनुसंधान संस्थान की सहायता लिए जाने के संबंध में निर्णय लिया गया है। इस अनुक्रम में दोना पत्तल इत्यादि उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार एवं किफायती बनाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने एवं एकल उपयोग प्लॉस्टिक के विकल्प तलाशने में अग्रणी राज्यों का भ्रमण कर बेस्ट प्रेक्टिसेस को छत्तीसगढ़ राज्य में अपनाने के निर्देश दिए गए है। मुख्य सचिव द्वारा समस्त संभागीय मुख्यालयों में शादी हॉल एवं कैटर्स को चिन्हांकित कर एकल उपयोग प्लॉस्टिक के विकल्प के रूप में दोना पत्तल के उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

लिवर को स्वस्थ रखने के लिए इन चार बातों का रखें खास ख्याल, बीमारियां रहेंगी कोसों दूर

लिवर, हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। पाचन से लेकर हार्मोन उत्पादन और बॉडी डिटॉक्स सहित शरीर के कई अति आवश्यक कार्यों में लिवर की विशेष भूमिका होती है। हालांकि कुछ प्रकार की लापरवाहियों के चलते इस अंग से संबंधित विकारों के मामले काफी तेजी से बढ़ते हुए देखे जा रहे हैं। लिवर की कुछ बीमारियां गंभीर समस्याकारक और जानलेवा तक हो सकती हैं, यही कारण है कि सभी लोगों को इस खास अंग के देखभाल को लेकर सतर्कता बरतते रहने की सलाह दी जाती है।

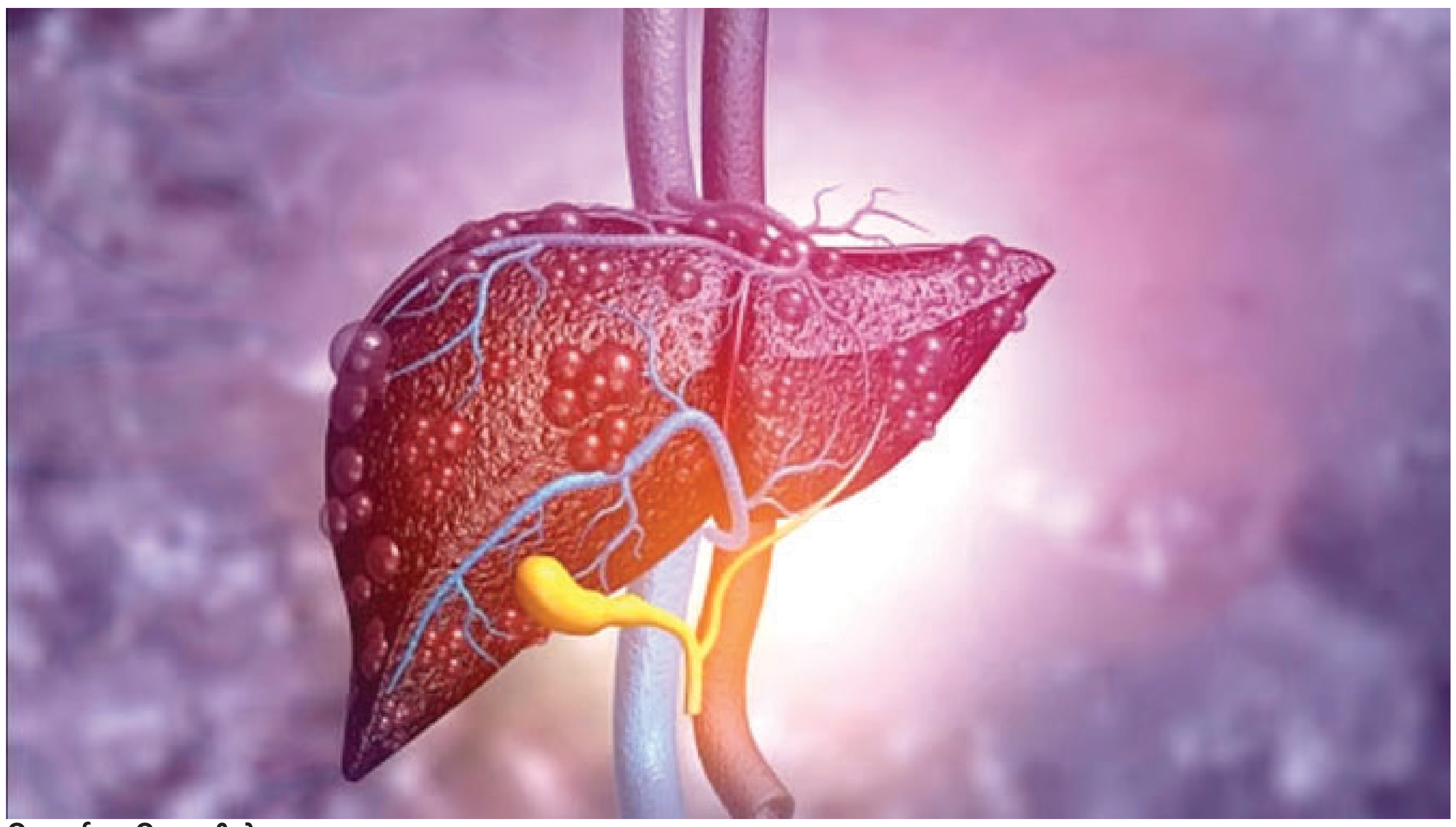

आयुर्वेद विशेषज्ञ बताते हैं, आहार और लाइफस्टाइल को ठीक रखकर लिवर को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने में मदद मिल सकती है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी को शरीर के इस महत्वपूर्ण अंग को स्वस्थ रखने के उपाय करते रहने की आवश्यकता है। आइए जानते हैं कि लिवर को फिट रखने के लिए किन बातों का ध्यान रखा जाना जरूरी माना जाता है?

पित्त दोष में योग-प्राणायाम के लाभ

योग–व्यायाम के अभ्यास की आदत बनाकर लिवर से संबंधित समस्याओं के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। विशेषज्ञों ने पाया कि प्राणायाम का अभ्यास न केवल लिवर के कार्यों को आसान बनाने में सहायक अभ्यास है साथ ही इसके पित्त दोष को नियंत्रित करने में भी लाभ देखे गए हैं। कई प्रकार के योगासनों को लिवर को उत्तेजित करके इसके कार्यों को बेहतर बनाने और लिवर से संबंधित विकारों के जोखिम को कम करने में लाभकारी पाया गया है।

दिनचर्या का लिवर की सेहत पर असर

लाइफस्टाइल को ठीक रखकर लिवर की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। लिवर सिरोसिस, फैटी लिवर जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए लाइफस्टाइल में गड़बड़ी को एक कारण के तौर पर देखा जा रहा है। शोधकर्ताओं ने पाया कि शराब के सेवन जैसी आदतों के कारण इस महत्वपूर्ण अंग से संबंधित बीमारियों का खतरा काफी बढ़ा हुआ देखा जा रहा है। स्वस्थ दिनचर्या का पालन करके लिवर सहित अन्य अंगों की सेहत में भी सुधार किया जा सकता है।

हल्दी है प्रभावी औषधि

हल्दी को लिवर की समस्याओं को दूर करने वाली सबसे प्रभावी औषधियों में से एक माना जाता है। इसके मुख्य सक्रिय घटक करक्यूमिन को अध्ययनों में कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम में लाभकारी पाया गया है। हल्दी में शक्तिशाली एंटी–इंफ्लामेटरी, एंटीऑक्सिडेंट और एंटी–कैंसर गुण होते हैं, जो इस जड़ी–बूटी को लिवर की बीमारियों को दूर करने में काफी लाभकारी बनाती है। अध्ययन से पता चला है कि 8 सप्ताह के लिए 500 मिलीग्राम करक्यूमिन उत्पाद से लिवर में फैट की समस्या को कम करने में मदद मिल सकती है।

बॉडी डिटॉक्स करते रहना आवश्यक

लिवर वैसे तो स्वाभाविक तौर पर शरीर से अनावश्यक उत्पादों को निकालने का काम करता है, पर कुछ बीमारियां इस कार्य को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में उन चीजों का सेवन करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है जो लिवर के कार्यों को आसान बनाती हैं। अदरक और नींबू का पेय एक क्लासिक डिटॉक्स ड्रिंक है जिसमें शक्तिशाली एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो न केवल आपके शरीर को डिटॉक्सीफाई करते हैं साथ ही वजन घटाने की प्रक्रिया को भी तेज करते हैं। यह पेय लिवर के कार्यों को आसान बनाने और मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देने में सहायक है।

बरसात की वजह से थमी डंकी की शूटिंग

नवंबर के मिड में सऊदी अरब में शूट करेंगे शाहरुख खान

सुपरस्टार शाहरुख खान का जन्मदिन नजदीक आ रहा है। हालांकि इस समय वो लगातार अपनी अपकमिंग फिल्मों के बचे हुए हिस्सों के काम को पूरा कर रहे हैं। वो फिल्में 'डंकी', 'पठान' और 'जवान' हैं। 'जवान' के लिए उन्होंने सितंबर में चेन्नई के बाहरी इलाके में शूटिंग की थी। फिर 9 अक्टूबर से उन्होंने 'डंकी' की शूटिंग महाराष्ट्र के वाई इलाके में शुरू की थी। तब उन्होंने 3 दिन में ही वहां का काम पूरा कर लिया था। उसके फौरन बाद वो ऐटली की फिल्म 'जवान' की शूटिंग में बिजी हो गए थे।

कहा यह भी जा रहा है कि उनके जन्मदिन के खास मौके पर 'पठान' का टीजर आने वाला है। हालांकि इस पर आधिकारिक तौर पर उनकी तरफ से या प्रोडक्शन हाउस की ओर से किसी भी तरह की अनाउंसमेंट नहीं की गई है, मगर इसकी संभावना लगाई जा रही है। इस बीच उनकी 'डंकी' पर एक नई डेवलपमेंट सामने आई है। वो ये है कि वाई में भारी बारिश के चलते वहां फिल्म का अगला शेड्यूल शूट नहीं हो पाया है।

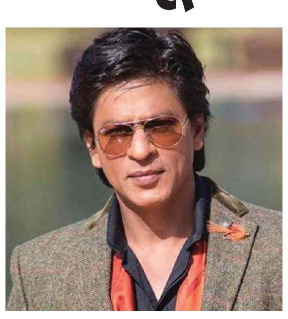

वाई को दी गई है पंजाब की शक्ल

मुंबई से 250 किलोमीटर दूर वाई में मौजूद सूत्रों ने बताया, 'इस इलाके में फिर से शूटिंग होने वाली थी। अक्टूबर के पहले हफ्ते में तो शाहरुख और बाकी कलाकारों ने ट्रेन सीक्वेंस शूट किया था। अब वहां एक्शन सीन फिल्माए जाने थे। उस इलाके को पंजाब के ग्रामीण इलाके की शक्ल दी गई है। वो सीक्वेंस पंजाब में जाकर फिल्माना मुश्किल था, क्योंकि शाहरुख को इन्हीं तारीखों में 'जवान' की शूटिंग भी कंप्लीट करनी है। उसका मौजूदा शेड्युल ऑलरेडी पुणे में चल रहा, जो वाई से बहुत दूर नहीं है। ऐसे में 'डंकी' के मेकर्स ने पंजाब वाले सीक्वेंस के लिए वाई का लोकेशन ही चुना।'

15 नवंबर के बाद सऊदी अरब में होगी फिल्म की शूटिंग

इन सब लोकेशन्स से पहले फिल्म की शूटिंग अब्रॉड के लिहाज से यूरोपीय देशों में हो चुकी है। आगे की शूटिंग के लिए मेकर्स ने सऊदी अरब तय किया है। इस बारे में बात करते हुए सूत्र बताते हैं, 'फिल्म की कहानी जुगाड़ सिस्टम के जरिए लोगों को इंडिया से यूरोप ले जाने की है। उसे कैसे अंजाम दिया जाता है, फिल्म की कहानी उस पर बेस्ड है। इस काम के लिए एशिया के पश्चिमी देशों का रूट फॉलो होता है। लिहाजा फिल्म में उन लोकेशन्स को दिखाने के लिए मेकर्स ने सऊदी अरब को चुना है। दुबई में महज एकाध दिन की शूटिंग होगी। सऊदी में टीम 8 से 10 दिन तक शूट करेगी। वहां सब 15 नवंबर के बाद रवाना होंगे।

शाहरुख के साथ-साथ विक्की कौशल भी होंगे रवाना

सूत्र आगे बताते हैं, 'वहां फिल्म के सिर्फ4 मेल लीड जाएंगे। उनमें 2 के रोल में शाहरुख और विक्की कौशल हैं। बाकी 2 के रोल में ऐड इंडस्ट्री के कलाकारों को कास्ट किया गया है। दिसंबर के महीने में फिल्म का सबसे महत्वपूर्ण सीक्वेंस शूट होगा। वो समंदर में बोट के सहारे लोगों की आवाजाही का सीक्वेंस होगा। उसके लिए शाहरुख और बाकी कलाकार अंडरवॉटर सीक्वेंस की ट्रेनिंग लेंगे। वो बेशक किसी अब्रॉड लोकेशन के बजाए मुंबई में की जाएगी।'

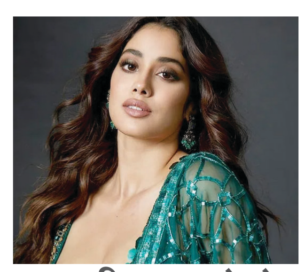

झलक दिखला जा के सेट पर पहुंची जाह्नवी कपूर माधुरी दीक्षित के साथ लगाए ठुमके

जाह्नवी कपूर की फिल्म 'मिली' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इससे पहले जाह्नवी फिल्म का प्रमोशन करने टीवी डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा सीजन 10 में पहुंची हैं, जिसका एक प्रोमो वीडियो कलर्स टीवी ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में जाह्नवी शो की जज माधुरी दीक्षित के साथ डांस करती नजर आईं। जाह्नवी के साथ डांस करने से पहले माधुरी उनसे कहती हैं,' इसी मंच पर मैंने आपकी मम्मी श्रीदेवी के साथ डांस किया था'। फिर दोनों ने देवदास के गाने पर बेहतरीन डांस मूव्स किए । इस दौरान जाह्नवी रेड ड्रेस में काफी खूबसूरत लग रही हैं। दोनों के इस डांस वीडियो पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं।

ओटीटी पर रिलीज होगी फ्रेडी

इस फिल्म का हिस्सा बनकर मैं खुद को लकी मानता हूं: कार्तिक आर्यन

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन की अपकमिंग फिल्म 'फ्रेडी' सिनेमाघरों में नहीं बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म में रिलीज होने वाली है। फिल्म के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर ऑफिशियल अनाउंसमेंट करके ये खबर साझा की है। कार्तिक की ये फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी। हालांकि अभी तक इसकी रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया गया है। मगर माना जा रहा है अगले साल ही ये फिल्म दस्तक देगी।

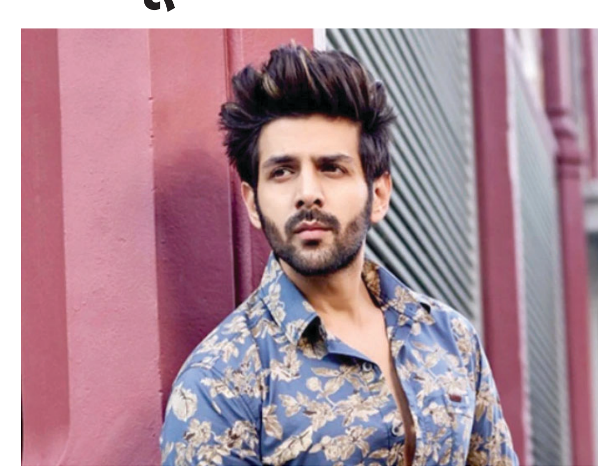

फिल्म का हिस्सा बनकर बेहद खुश हैं कार्तिक

कार्तिक आर्यन ने इस बारे में बात करते हुए कहा, 'मैं फ्रेडी का हिस्सा बनकर खुद को लकी मानता हूं। इस फिल्म की कहानी कुछ ऐसी है जिसे मैंने पहले नहीं देखा है। इसने मुझे अपने क्राफ्ट के साथ एक नए प्रयोग करने का मौका दिया है। डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर इसकी रिलीज का मुझे भी बेसब्री से इंतजार है। उम्मीद करता हूं कि ऑडियंस को मेरा ये नया अवतार पसंद आएगा।'

कार्तिक आर्यन के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये फिल्म अगले ओटीटी पर स्ट्रीम होगी। शशांक घोष द्वारा डायरेक्टेड थ्रिलर फिल्म 'फ्रेडी' में कार्तिक के साथ अलाया एफ भी नजर आएंगी।

कार्तिक आर्यन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वो 'फ्रेडी' के अलावा 'सत्यप्रेम की कथा' में नजर आएंगे। इस फिल्म में कार्तिक के अलावा कियारा अडवाणी भी नजर आएंगी। इसके साथ ही कार्तिक के पास फिल्म 'आशिकी 3', 'शहजादा' और 'कैप्टन इंडिया' जैसी फिल्में हैं। कार्तिक आखिरी बार भूल भुलैया 2 में नजर आए थे।

तंबाकू के सेवन से हड्डियों की इस गंभीर बीमारी का खतरा अधिक

स्वस्थ शरीर के लिए जिन आदतों को विशेषज्ञ सबसे खतरनाक मानते हैं, तंबाकू चबाना या धूम्रपान उनमें से एक है। तंबाकू चबाने की आदत को दांत–मसूड़ों और मुंह से संबंधित कई बीमारियों के साथ डायबिटीज और हृदय रोगों के लिए भी खतरनाक माना जाता है। पर क्या आप जानते हैं कि तंबाकू चबाने की आदत हड्डियों के लिए भी बेहद नुकसानदायक हो सकती है? हाल ही में विशेषज्ञों की एक टीम ने इससे संबंधित जोखिमों के बारे में लोगों को अलर्ट किया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पाया कि तंबाकू चबाने वालों में हड्डियों से संबंधित गंभीर बीमारी ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा हो सकता है। ऑस्टियोपोरोसिस में हड्डियों का घनत्व कम हो जाता है और वह बहुत कमजोर हो जाती हैं। इस रोग की गंभीर स्थिति में छींकने–खांसने और हल्के से ठोकर के कारण भी हड्डियों के टूटने का खतरा हो सकता है।

लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में हड्डी रोग विभाग के प्रोफेसर शाह वलीउल्लाह कहते हैं, समय के साथ लोगों में हड्डियों की कमजोरी की समस्या बढ़ती जा रही है। यदि आप तंबाकू का सेवन करते हैं तो आपमें यह जोखिम और भी अधिक हो सकता है। लंबे समय तक तंबाकू के सेवन के कारण हड्डियों का घनत्व कम होना शुरू हो जाता है और वे कमजोर होने लगती हैं। तंबाकू चबाने की आदत कम उम्र में भी आपमें ऑस्टियोपोरोसिस जैसे गंभीर समस्याओं के जोखिम को बढ़ाने वाली हो सकती है।

हड्डियों को कमजोर कर रहा है तंबाकू

प्रोफेसर शाह वलीउल्लाह कहते हैं, हड्डियों में दो प्रकार की कोशिकाएं होती हैं जिन्हें ऑस्टियोक्लास्ट और ऑस्टियोब्लास्ट कहा जाता है। वे हड्डियों को बनाने और ब्रेक करने के लिए जिम्मेदार होती हैं। ऑस्टियोक्लास्ट वे कोशिकाएं हैं जो हड्डियों को ब्रेक करती हैं ताकि उन्हें फिर से तैयार किया जा सके।

ऑस्टियोब्लास्ट ब्रेक के बाद नई हड्डियों का निर्माण करने में सहायक होती हैं। यह प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। हालांकि तंबाकू चबाने या धूम्रपान करने वालों में इन कोशिकाओं की कार्यक्षमता में कमी देखी गई है जिससे हड्डियों के कमजोर होने का जोखिम हो सकता है।

तंबाकू से हड्डियों के ऊतकों को नुकसान

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, अध्ययन के दौरान पाया गया है कि जो लोग लंबे समय तक तंबाकू का सेवन करते रहते हैं, चाहे वह धूम्रपान या चबाने के रूप में हो, उनमें ऑस्टियोक्लास्ट की संख्या में बढ़ोतरी जबकि ऑस्टियोब्लास्ट में कमी हो जाती है। इस तरह के विकारों की स्थिति में हड्डियों का ब्रेकडाउन तो तेजी से होने लगता है पर नई हड्डियों का निर्माण नहीं हो पाता। यह स्थिति ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन सकती है। हड्डियों की यह समस्या जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित कर देती है, ऐसे में ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव करते रहना आवश्यक है। तंबाकू से दूरी बना लेना इसमें आपकी मदद कर सकता है।

जानलेवा भी हो सकता है तंबाकू का सेवन

सेंटर फार डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (सीडीसी) के विशेषज्ञों ने बताया कि तंबाकू का सेवन, विशेष रूप से धूम्रपान के कारण हृदय रोग, स्ट्रोक, फेफड़े के रोग, मधुमेह और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज के साथ कैंसर तक का खतरा हो सकता है। धूम्रपान हड्डियों के लिए भी बहुत हानिकारक आदत है, इसके कारण रूमेटीइड आर्थराइटिस और ऑस्टियोपोरोसिस सहित प्रतिरक्षा प्रणाली की समस्याओं का जोखिम भी बढ़ जाता है। तंबाकू का सेवन करने वालों की जीवन प्रत्याशा भी अन्य लोगों की तुलना में कम होती है।

तंबाकू छोड़कर बेहतर कर सकते हैं जीवन

वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ और सर्जन डॉ विभु नागर कहते हैं, तंबाकू से अगर दूरी बना ली जाए तो यह आपकी जीवन की गुणवत्ता को सुधारने में काफी मददगार हो सकता है। आश्चर्यजनक रूप से हम वयस्कों में तंबाकू के कारण होने वाले ऑस्टियोपोरोसिस के मामले देख रहे हैं। स्वस्थ जीवन शैली को बनाए रखते हुए धूम्रपान और तंबाकू जैसी आदतों को छोड़ने से ऑस्टियोपोरोसिस और हड्डियों–फेफड़ों की कई बीमारियों को रोका जा सकता है। तंबाकू का सेवन वैश्विक स्तर पर गंभीर चिंता का कारण है, इसे लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर 31 को रन फॉर यूनिटी दौड़ का होगा आयोजन

बालोद। देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस के अवसर पर 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय बालोद सहित सभी विकासखण्डों में 'रन फॉर यूनिटी' दौड़ का आयोजन प्रात: 08 बजे किया जाएगा। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने हेतु जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ.रेणुका श्रीवास्तव को नोडल अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका बालोद रोहित साहू को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इसके अलावा उन्होंने जिले के सभी विकासखण्डों में आयोजित होने वाले रन फॉर यूनिटी दौड़ के लिए संबंधित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इस अवसर पर सभी शासकीय कार्यालयों में राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ भी ली जाएगी। कलेक्टर शर्मा ने सभी कार्यालय प्रमुखों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश भी जारी किए हैं।

समाज कल्याण विभाग के भारत माता वाहिनी का प्रयास रंग लाया

रायगढ़। छत्तीसगढ़ को नशामुक्त बनाने एवं नशे के प्रति व्यापक जनजागृति लाने हेतु नशामुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत समाज कल्याण विभाग रायगढ़ द्वारा संचालित परियोजना भारत माता वाहिनी का क्रियान्वयन रायगढ़ जिले में किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत जिले के प्रत्येक विकासखण्ड में 20 समूह का गठन किया जाकर प्रारम्भिक स्तर पर जनजागृति एवं वातावरण निर्माण का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। विभागीय कलापथक दल के माध्यम से नशामुक्ति हेतु गठित समूहों को विभाग द्वारा प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन देकर नशे के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। जिले में 1500 से अधिक जनसंख्या वाले ग्राम पंचायतों में 176 भारत माता वाहिनी समूहों का गठन किया जा चुका है। पुलिस विभाग के सहयोग से जनजागृति का कार्य निरंतर किया जा रहा है। जिसके परिणाम अब मिलने लगे हैं।

क्रेडा सदस्य विजय साहू ने लिया धान खरीदी केन्द्र का जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एक नवंबर से जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होगी। धान खरीदी शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। शुक्रवार को क्रेडा के सदस्य विजय साहू ने धान खरीदी केन्द्रों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अफसरों से धान खरीदी को बेहतर तरीके से करने का निर्देश दिया।

वहीं उन्होंने कहा कि धान खरीदी में लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विजय साहू कृषक सेवा समिति कोहका के निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ खरीदी केंद्र के प्रबंधक विमल वर्मा व डाकवर धुर्वे मौजूद रहे।

इस मौके पर अधिकारियों ने बताया कि इस खरीदी केंद्र में कुल 896 किसान पंजीकृत हैं। इस बार यहां पर 28000 टन धान की खरीदी का अनुमान है। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि इस केंद्र में 22500 नया बारदाना और 25000 पुराना बारदाना है इसके अलावा 20 हजार बारदाना की मांग और की गई है। विजय साहू ने खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के कार्य को त्रुटि रहित ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि धान खरीदी केन्द्रों में धान की बिक्री के लिए आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए।

इसके अलावा उन्होंने धान खरीदी केन्द्रों में आर्द्रता मापी यंत्र, काटा-बाट, किसानों की बैठक व्यवस्था, कैप कव्हर सहित सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। धान की बिक्री के लिए किसान पंजीयन के कार्य को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। श्री साहू ने बारदानों की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए आवश्यक बारदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा धान खरीदी की सतत मानिटरिंग हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान खरीदी केन्द्रों की समुचित साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, शेड एवं बारदाना की उपलब्धता के साथ-साथ विद्युत एवं इंटरनेट कनेक्शन की उपलब्धता भी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। कृषक सेवा सहकारी समिति कोहका में वर्तमान समिति की जानकारी श्री साहू ने जिला केंद्रीय सहकारी बैंक अध्यक्ष जवाहर वर्मा को दी और उनसे तत्काल प्राधिकृत अधिकारी की नियुक्ति की मांग भी की। धान खरीदी केंद्र के निरीक्षण के दौरान धर्मराज शर्मा, युगल देशमुख, भोला देशमुख, भानु देशमुख, भूपेंद्र साहू सहित केंद्र के अधिकारी मौजूद थे। बता दें कृषक सेवा सहकारी समिति कोहका में कुरुद, जामुल, खेदामारा, ढौर, अकलोरडीह, जुनवानी, कोहका, खम्हरिया, कातुलबोर्ड, बघेरा शामिल है।

मनोज मण्डावी क्षेत्रवासियों के दिलों में हमेशा राज करेंगे : भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कांकेर जिले के चारामा में आयोजित कार्यक्रम में 50 करोड़ 62 लाख रूपये के 166 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने भानुप्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपाध्यक्ष स्वर्गीय श्री मनोज सिंह मण्डावी को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके साथ बिताये पलों को याद किया।

उन्होंने कहा कि स्वर्गीय श्री मनोज मण्डावी जब मध्यप्रदेश विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए, तब से हमारा साथ रहा, उनसे अंतिम बार इस महीने के 07 तारीख को ग्राम नाथिया नवागांव में स्थापित लघु धान्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन उत्पाद इकाई के लोकार्पण अवसर पर मुलाकात हुई थी। इस कार्यक्रम में दो मिनट का मौन रखकर स्वर्गीय श्री मनोज मण्डावी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय श्री मनोज मंडावी को बस्तर एवं आदिवासियों के संबंध में गहरी समझ थी। वे शिक्षा, स्वास्थ्य और किसानों की आय में वृद्धि पर ध्यान देते थे। अपनी बात को वे पूरी दृढ़ता के साथ रखते थे तथा अपने क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा चिंतित रहते थे। भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान उनके द्वारा भानुप्रतापपुर तहसील के ग्राम भानबेड़ा के कार्यक्रम में डोंगरकट्टा गांव के किसानों की समस्या बताई गई थी, इस गांव के 150 से अधिक किसानों का राजस्व रिकार्ड जप्त हुआ था, जिसे वापस नहीं किया गया था, जिसके कारण ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं का भी लाभ नहीं मिल पा रहा था। समस्या की जानकारी मिलते ही उसके निराकरण के लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया गया, वर्तमान में डोंगरकट्टा गांव का राजस्व रिकार्ड वापस हो चुका है, इससे ग्रामीण बहुत खुश हैं और उन्होंने दिवाली एक साथ मनाया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि स्वर्गीय मनोज मण्डावी की कमी की भरपाई नहीं हो सकती, वे हमेशा हमारी स्मृति में जीवित रहेंगे।

भानुप्रतापपुर क्षेत्रवासियों के दिलों में वे हमेशा राज करेंगे, उनके योगदान को कोई मिटा नहीं सकता। वे क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहे, उनका असमय जाना उनके परिवार सहित हम सबके लिए अपूरणीय क्षति है। ईश्वर उनकी आत्मा को अपने श्री-चरणों में स्थान दें तथा उनके परिवार को दु:ख की इस घड़ी को सहने की क्षमता प्रदान करें। छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने स्वर्गीय श्री मनोज मण्डावी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे अपने क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा चिंतित रहते थे। उनके योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता, उन्होंने जो सपना देखा था, उन कार्यों का आज मुख्यमंत्री जी द्वारा लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है। श्री महंत ने कहा कि व्यक्ति के जाने के बाद उनके काम एवं योगदान को याद किया जाता है।

स्वर्गीय श्री मनोज मण्डावी ने अपने क्षेत्र के विकास के लिए अनेकों कार्य किये तथा समाज व गरीबों की सेवा की। ईश्वर उनकी आत्मा को दिव्यज्योति में स्थान दें तथा उनके परिवार को दु:ख की इस घड़ी को सहने की क्षमता प्रदान करें। कार्यक्रम को महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया, उद्योग मंत्री कवासी लखमा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री अमरजीत भगत, संसदीय सचिव शिशुपाल सोरी और राज्यसभा के पूर्व सांसद श्री पी.एल. पुनिया ने भी संबोधित किया तथा स्वर्गीय मनोज मण्डावी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए क्षेत्र के विकास के लिए उनके योगदान को याद किया।

बाल देखरेख संस्थाओ का हुआ त्रैमासिक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

किशोर न्याय अधिनियम के नियमानुसार संचालित होती है सभी संस्थायें

जगदलपुर। किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 के धारा 110 का प्रयोग करते हुए भारत सरकार द्वारा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) संसोधित नियम 2022 के नियम -41 (1) के प्रावधानों के तहत राज्य सरकार राज्य स्तरीय निरीक्षण समिति और जिला मजिस्ट्रेट जिला स्तरीय निरीक्षण समिति का गठन किया गया है।

बस्तर जिले में जिला स्तरीय गठित निरीक्षण समिति द्वारा बस्तर जिले के पंजीकृत बाल देखरेख संस्थाओं जिसमें शा. बाल गृह (बालक), शा. सम्प्रेक्षण गृह (बालक), शा.सम्प्रेक्षण गृह (बालिका), शा. प्लेस आफसेफ्टी (बालक), शा. विशेष गृह (बालक), शा. विशेष गृह (बालिका), बाल गृह (बालिका) सृजन सामाजिक संस्था, खुला आश्रय गृह (बालक) बस्तर सामाजिक जन विकास समिति, एवं सेवा भारती (मातृ छाया) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी जगदलपुर का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया।

समिति के सदस्य नरेन्द्र पाणिग्राही ने बताया कि सभी संस्थाएं किशोर न्याय अधिनियम के नियमानुसार संचालित की जाती है, जिसमें विभिन्न प्रकार की पंजियों का संधारण किया जाता है, समिति के सदस्यों के द्वारा समस्त पंजियों का सूक्ष्मता से अवलोकन किया गया एवं संस्था में वर्तमान निवासरत बालक, बालिकाओं एवं कर्मचारियों से भी व्यक्तिगत चर्चा की गई एवं विगत तीन माह पूर्व निरीक्षण के दौरान संस्था के पूर्व की कमियों को भी पूर्ण कर लिया गया है।

निरीक्षण के दौरान समिति ने संस्थाओं का कार्य संतोषप्रद पाया, संस्था के अधीक्षकों को निर्देशित किया गया कि वर्तमान में संस्था का कार्य संतोषप्रद है आगामी समय में समिति के निरीक्षण के दौरान भी यही स्थित संस्थाओं में कायम रहे। निरीक्षण के दौरान जिला स्तरीय निरीक्षण समिति के अध्यक्ष अपर कलेक्टर हरेश मण्डावी, सचिव विजय शंकर शर्मा, निरीक्षण समिति के सदस्य शैलेष दुबे, डॉ. वत्सला मरियम, डॉ. सी मैत्री, मिनेश पानीग्राही उपस्थित थे।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग में दूसरा पीएचडी वायवा समाजशास्त्र विषय में आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग में दूसरा पीएचडी वायवा समाजशास्त्र विषय में आयोजित किया गया। शासकीय विष्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वषासी महाविद्यालय, दुर्ग के समाजषास्त्र विभाग शोधकेन्द्र के शोधार्थी देवेष कुमार मेश्राम ने समाजषास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक, डॉ. सपना शर्मा सारस्वत के मार्गदर्षन में ''असंगठित ठेका श्रमिकों की स्थिति का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन बालोद जिले के दल्लीराजहरा माइंस के विषेष संदर्भ में'' विषय पर पीएचडी वायवा हुआ।

यह जानकारी देते हुए विष्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं पीएचडी सेल प्रभारी, डॉ. प्रषांत श्रीवास्तव ने बताया कि पीएचडी वायवा के दौरान बाह्य परीक्षक के रूप में डॉ. अवधेष प्रताप सिंह,

विष्वविद्यालय, रीवा के डॉ. महेष शुक्ला, ने शोधार्थी, देवेष कुमार मेश्राम से शोध प्रबंध से संबंधित अनेक प्रष्न पुछे जिनका शोधार्थी ने संतोषजनक उत्तर दिया।

डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि 07 अध्यायों में विभक्त शोधार्थी के पीएचडी थिसिस में प्रथम अध्याय में विषय का परिचय द्वितीय अध्याय में पूर्व शोध साहित्य का पूर्वावलोकन तृतीय अध्याय में उत्तरदाताओं की सामाजिक, आर्थिक एवं पारिवारिक पृष्ठ भूमि चतुर्थ अध्याय में ठेका श्रमिकों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास संबंधी नियम एवं कानून पंचम अध्याय में ठेका श्रमिकों की शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संबंधी सरकारी योजनाएं एवं समस्याएं षष्ठम् अध्याय में ठेका श्रमिकों के विकास संबंधी नीति में गैर सरकारी संगठन एवं मजदूर संगठनों की भूमिका तथा सातवें एवं अंतिम अध्याय में विषय से संबंधी निष्कर्ष एवं सुझाव का उल्लेख किया गया है।

शोधार्थी ने अपने निष्कर्ष में ठेका श्रमिकों में षिक्षा के कमी के कारण शासन के अनेक कल्याणकारी योजनाओं से वंचित होना पाया है साथ ही शासन की ओर से किसी भी प्रकार की दुर्घटना के दौरान आर्थिक सहायता प्रदान किये जाने की अत्यंत आवष्यकता की ओर भी अपनी पीएचडी थिसिस के दौरान सबका ध्यान आकर्षित किया है। पीएचडी वायवा में उपस्थित विष्वविद्यालय की कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा, शासकीय वीवायटी पीजी कॉलेज दुर्ग के प्राचार्य, डॉ. आर.एन.सिंह, कुलसचिव, भूपेन्द्र कुलदीप, समाजषास्त्र के विभागाध्यक्ष, डॉ. राजेन्द्र चैबे, डॉ. ए. के. खान, कल्याण पीजी महाविद्यालय, भिलाई के प्राचार्य, डॉ. आर. पी. अग्रवाल, डीसीडीसी, डॉ. प्रीता लाल, पीएचडी सेल प्रभारी, डॉ. प्रषांत श्रीवास्तव, शासकीय वीवायटी पीजी कॉलेज, दुर्ग के डॉ. शकील हुसैन आदि ने प्रष्न पुछकर शोधार्थी के मौखिकी में हिस्सा लिया।

विश्वविद्यालय परिसर के टैगोर हॉल में आयोजित इस पीएचडी वायवा में ऑनलाईन तथा ऑफलाईन दोनों रूप से लगभग 100 से अधिक लोग उपस्थित थें। भौतिक रूप से उपस्थित होने वालों में विष्वविद्यालय के वित्त अधिकारी, सुशील गजभिये, उपकुलसचिव, राजेन्द्र चैहान, सहायक कुलसचिव, डॉ. सुमीत अग्रवाल, हिमांषु शेखर मंडावी, दिग्विजय कुमार, डॉ. भावना पर्बत, तथा साइंस कॉलेज, दुर्ग से डॉ. अष्वनी महाजन, डॉ. सुचित्रा शर्मा, डॉ. के पद्मावती, आदि उपस्थित थें।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए सभी तैयारियॉ सुनिश्चित करें - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने कहा कि जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य को निर्विघ्न एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु सभी तैयारियॉ सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर शर्मा आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में धान खरीदी के कार्य की तैयारियों को अंतिम रूप देने हेतु आयोजित समीक्षा बैठक में खाद्य एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य शासन के अत्यंत महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है। इसके अंतर्गत केवल वास्तविक किसानों के वास्तविक रकबे के अनुसार ही धान खरीदी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में कोचियों एवं अवैध धान की खरीदी न हो। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शर्मा ने अधिकारियों को धान खरीदी के कार्य को त्रुटिरहित ढंग से सम्पन्न करने के निर्देश देते हुए कहा कि इस कार्य में लापरवाही या किसी प्रकार की त्रुटि बिल्कुल भी क्षम्य नहीं होगा। शर्मा ने दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी। कलेक्टर ने धान खरीदी केन्द्रों में अनाधिकृत एवं गैर जरूरी व्यक्तियों की उपस्थिति की रोकथाम हेतु धान उपार्जन केन्द्रों में कार्यरत कर्मचारियों एवं हमालों के लिए परिचय पत्र जारी करने के निर्देश भी दिए। बैठक में जिला खाद्य अधिकारी एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएँ, जिला विपणन अधिकारी एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के नोडल अधिकारी सहित समिति प्रबंधक, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा की धान खरीदी केन्द्रों में अपनी धान की बिक्री हेतु आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी उपार्जन केन्द्रों में जरूरी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी किसान के पंजीयन एवं रकबे में किसी प्रकार की त्रुटी होने की स्थिति में उन्हें समझाईश दी जाए कि उनका पंजीयन सुधार के उपरांत उनकी धान की खरीदी की जाएगी। उन्होंने कहा की किसानों को टोकन का वितरण प्रतिदिन की खरीदी क्षमता के आधार पर की जाए।

स्मार्ट फोन बनेगी दृष्टिहीन छात्रों की रोशनी

रायगढ़। कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौर में आम आदमी के साथ-साथ दिव्यांग छात्रों को भी बहुत प्रभावित किया है। मौजूदा समय में नेत्रहीन छात्रों को प्रत्यक्ष रूप से शिक्षा प्राप्त करने में अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है, साथ ही उनके लिए ऑनलाईन माध्यम से संचालित शिक्षा प्रणालियों के लिए एन्ड्रायड मोबाईल फोन की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। समाज कल्याण विभाग की योजना कृत्रिम अंग सहायक उपकरण वितरण योजना के अंतर्गत नेत्रहीन छात्रों की सुगम्यता बाधारहित जीवन स्तर की प्राप्ति एवं शैक्षिक पुनर्वास के लिए ब्रेल माध्यम से शिक्षा एवं स्पेशल वर्जन के एन्ड्रायड मोबाईल फोन से लाभान्वित कर रही है।

खास खबर

एचपीसीएल के रिफिलिंग प्लांट के पास गैरेज में भीषण आग से दहशत घंटों मशक्कत के बाद पाया काबू

रायपुर। राजधनी रायपुर के मंदिर हसौद इलाके में शुक्रवार देर रात को भीषण आग से आसपास के लोग दशहत में आ गए। यहां के एचपीसीएल के रिफिलिंग प्लांट के सामने शराब दुकान के पास ट्रक रिपेयरिंग और बॉडी बनाने वाले गैरेज में भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलने पर मौक पर पहुंची फायर ब्रिगेड को भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने सफलता मिली। आग लगने से यहां पर पूरा गैरेज जलकर खाक हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार एचपीसीएल के रिफिलिंग प्लांट के सामने गैराज में आग लगने से लोग काफी घबरा गए थे। रिफलिंग प्लांट होने के कारण आसपास कई टैंकर भी खड़े थे। लोगों में दहशत इस बात की दिखी कि यदि आग टैंकरों तक पहुंच जाती तो और भी बड़ा हादसा हो सकता था। हालांकि ऐसा नहीं हुआ। नेशनल हाईवे पर हुए इस भयानक नजारे को देखने सैकड़ों की तादाद में भीड़ इकट्ठी हो गई थी। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आसपास लोगों को दूर हटाया और आग पर काबू पाया।

धान खरीदी भंडारण पर जिला प्रशासन सख्त, सुपेबेड़ा में 181 बोरा धान जप्त

गरियाबंद (ए)। राज्य सरकार की ओर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 1 नवंबर से की जानी है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन सख्त हो गया है। विशेषकर अंतरराज्यीय बॉर्डर पर विशेष चेकपोस्ट बनाये गए हैं। ओडिशा राज्य की सीमा से लगे देवभोग विकासखंड में कलेक्टर प्रभात मलिक के निर्देशानुसार लगातार अवैध परिवहन व भंडारण पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने संबंधित अनुभाग अधिकारियों को टीम बनाकर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

ज्ञात है कि जिले में भी धान खरीदी की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। 82 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जाएगी। सभी केंद्रों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा जहां अवैध परिवहन की आशंका है ऐसे 28 चेक पोस्ट बनाए गए हैं जहां सयुंक्त टीम मौजूद रहेगी। राजस्व, पुलिस व पंचायत विभाग की ओर से बीती रात ग्राम सुपेबेड़ा में अवैध रूप से धान भंडारण की जब्ती की गई व सील किया गया। यहां कुल 181 बोरे धान 3 जगहों में पाए गए। इसी तरह गुरुवार को ही देवभोग अनुविभागीय अधिकारी अर्पिता पाठक के निर्देश पर खाद्य व मंडी की ओर से रात्रि गस्त के दौरान अवैध धान परिवहन करते हुए वाहन क्रमांक सीजी 19 एच 3114 पिकप वाहन में 60 बोरी धान को जप्त किया गया। वाहन उड़ीसा के सिंगझर से देवभोग केंटपदर लाया जा रहा था जिसे आर.एस कोमरा साहयक खाद्य अधिकारी देवभोग, मंडी निरीक्षक रजनीकांत तिवारी की ओर से जप्त कर थाना देवभोग के सुपुर्दगी में दिया गया है। एसडीएम ने बताया कि अवैध परिवहन और भंडारण पर लगातार कार्रवाई की जाएगी।

राजधानी में कांग्रेस नेता के भतीजे की हत्या

33 दिन बाद कब्र खोदकर निकाला गया शव, तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में कांग्रेस नेता के भतीजे की हत्या के बाद बवाल मचा हुआ है। दरअसल 25 सितंबर से लापता युवक की लाश 33 दिन बाद कब्र खोदकर बाहर निकाली गई। इस मामले में कांग्रेस नेता पुलिस पर लेटलतीफी का आरोप भी लगाया है। हत्या का कारण अवैध संबंध बताया जा रहा है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला उरला थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार बीरगांव निगम में एमआईसी मेंबर और पार्षद इकराम अहमद का भतीजा वाहजुद्दीन उर्फ बाबू (21) 25 सितंबर से लापता था। पहले तो परिजन युवक की तलाश करते रहे और लगभग एक सप्ताह बाद उरला थाने पहुंचकर इसकी एफआईआर लिखवाई। एफआईआर होने के बाद भी युवक की तलाश नहीं की जा सकी। कांग्रेस नेता लगातार इस मामले की जांच क्राइम यूनिट को सौंपने की मांग की। एफआईआर के लगभग 25 दिन बाद केस क्राइम यूनिट के पास गया और महज दो दिन में ही पुलिस ने इस मामले का खुलासा कर दिया।

पुलिस के अनुसार कांग्रेस नेता के भतीजे बाबू का आरोपी करीम की बेटी से नाजायज संबंध था। करीम दुर्गा नगर क्षेत्र में गांजा बेचने का काम करता है और फिरोज उसका साला है। दोनों ने बाबू को कई दफा लड़की से मिलने से मना किया लेकिन वह नहीं माना। इसके बाद करीब के कहने पर फिरोज ने अपने साथी विश्वनाथ की मदद से उसकी हत्या का प्लान बनाया। प्लानिंग के अनुसार दोनों बाबू को अपने साथ लेकर गए और साथ में बैठकर शराब पी। इसके बाद चाकू से गोदकर बाबू की हत्या की और वहीं रेलवे ट्रैक के पास शव को दफ्ना दिया। इस मामले का खुलासा होने के बाद उरला थाने में काफी हंगामा हुआ। फिलहाल पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

हत्या के बाद रेलवे ट्रैक के पास दफनाया शव

कांग्रेस नेता के भतीजे बाबू की हत्या के बाद शव को WRS कॉलोनी के पास रेलवे ट्रैक के पास दफना दिया गया था। पुलिस ने इस मामले में करीम, फिरोज और विश्वनाथ को हिरासत में लिया। पूछताछ में इन तीनों ने अपना गुनाह कबूल कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने 33 दिन से लापता बाबू की लाश कब्र खोदकर निकाली और पीएम के लिए भेजा गया। इधर हत्या कारण अवैध संबंधों की बात सामने आई है।

दुष्कर्म का आरोपी अधेड़ चढ़ा पुलिस के हत्थे

दिवाली मनाने पहुंची महिला से किया था दुष्कर्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जिले के सन्ना थाना पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी अधेड़ को गिरफ्तार किया है। अधेड़ ने यहां दिवाली मनाने पहुंची महिला से रेप किया था। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने अधेड़ के खिलाफ धारा 450, 376 के तहत अपराध दर्ज किया गया। आरोपी अधेड़ को सन्ना पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

सन्ना पुलिस के मुताबिक अंबिकापुर में रहकर मजदूरी करने वाले पति-पत्नी अपने बच्चों के साथ वहीं रहते हैं। दीपावली त्यौहार मनाने महिला अपनी बेटी के साथ थाना सन्ना क्षेत्रान्तर्गत अपने गृह ग्राम पहुंचे थे। 22 अक्टूबर की दोपहर को महिला की बेटी लकड़ी लेने जंगल गई थी। महिला घर पर दोपहर करीब 2-3 बजे जमीन में चटाई बिछाकर सोई थी। उसी समय गांव का सुखराम दरवाजा खोलकर अंदर घुस गया और महिला से दुष्कर्म किया।

महिला ने शोर मचाया तो वह भाग गया। इसके बाद महिला ने अपनी बेटी के साथ पहुंचकर थाने में सुखराम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी सुखराम की तलाश शुरू कर दी। घटना के बाद आरोपी अधेड़ फरार हो गया था। गुरुवार को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी सुखराम को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक कार्रवाई के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

आईजी की एडवाइज का एक्शन रिप्ले

सड़क पर जन्मदिन मना रहे युवक को पुलिस ने दिया बर्थडे गिफ्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में सड़क पर केक काटकर खुशी मनाने वालों पर बिलासपुर रेंज के आईजी रतनलाल डांगी ने सख्त एक्शन लेने का निर्देश दिया था। आईजी के एडवाइज का एक्शन रिप्ले भी देखने को मिला। शुक्रवार को बिलासपुर तोरवा थाना क्षेत्र में सड़क पर बर्थडे सेलिब्रेट करने वाले एक युवक को सेलिब्रेशन भारी पड़ गई। तोरवा पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ धारा 283 के तहत कार्रवई कर दी।

दरअसल युवक बीच सड़क पर अपना बर्थडे सेलीब्रेट कर रहा था। तोरवा पुलिस ने बताया कि 25 वर्षीय आयुष यादव शंकर नगर के धान मंडी के पास रोड पर केक काट रहा था। पुलिस को सूचना मिली तो मौके पर पहुंची। पुलिस को देख युवक के दोस्त भाग गए लेकिन बर्थडे बॉय पकड़ में आ गया। इसके बाद पुलिस ने बतौर बर्थडे गिफ्ट युवक को हवालात की सैर कराई। युवक के खिलाफ धारा 283 के तहत

कार्रवाई की गई।

आईजी डांगी ने दिया था निर्देश

बता दें बिलासपुर रेंज के आईजी रतनलाल डांगी ने एक दिन पहले ही इस संबंध में कड़े निर्देश जारी किए थे। उन्होंने रेंज के सभी एसपी को निर्देश देते हुए कहा कि सोशल मीडिया में बंदूक, पिस्टल, तलवार और चाकू के साथ केक काटते हुए वीडियो वायरल करने वालों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के साथ ही अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया जाए। ऐसे युवकों को जेल भेजा जाए ताकि इस तरह की गतिविधियां न कर सके। आईजी के निर्देश के बाद बिलासपुर के तोरवा थाना क्षेत्र में पहली कार्रवाई भी हो गई।

चंद घंटों में पकड़ाया परसाही हत्याकांड का आरोपी

भिलाई। उतई थाना क्षेत्र के परसाही में युवक की हत्या का राज खुल गया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी को हिरासत में ले लिया है और उसने अपना गुनाह भी कुबूल कर लिया है। हत्यारा कोई और नहीं बल्कि मृतक के दूर का मौसेरा भाई है। उधारी का पैसा बार बार मांगने से तंग आकर युवक ने हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। फिलहाल आरोपी पुलिस हिरासत में है और उससे पूछताछ की जा रही है।

बता दें शुक्रवार की सुबह उतई थाना क्षेत्र के परसाही खदान के पास शव मिलने की सूचना मिली थी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक की पहचान ईश्वर साहू के रूप में की। ईश्वर साहू लकड़ी का व्यापारी था और परसाही में उसका ससुराल था। गुरुवार शाम को वह घर से निकला और शुक्रवार की सुबह उसकी लाश मिली। पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद इसे हत्या का मामला

माना और उसी दिशा में छानबीन शुरू की।

जल्द ही पुलिस को सफलता मिल गई। पुलिस ने इस मामले में शक के आधार पर मृतक के मौसेरे भाई योगेश कुमार साहू को हिरासत में लिया। एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने बताया कि मृतक ने योगेश साहू को 15 हजार रुपए उधार लिया था। ईश्वर साहू अपने पैसे बार बार मांग रहा था। रुपए बार बार मांगने से योगेश साहू तंग आ गया और और गुरुवार को उसने ईश्वर को परसाही खदान के पास मिलने के लिए बुलाया। यहां पर उसने ईश्वर साहू की हत्या कर दी और फरार हो गया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

रेड कार्रवाई करने गई पुलिस पर जुआरियों ने किया ईंट से हमला

कवर्धा। जुआ खेल रहे लोगों ने रेड कार्रवाई करने गई पुलिस पार्टी पर ही उल्टा हमला कर दिया। जुआरियों ने एक हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल को ईंट से मारकर घायल कर दिया। जुआरी यही नहीं रूके गुंडागर्दी करते हुए पुलिस वालों पर लात घूसों से वार करने लगे। यह पूरा घटनाक्रम कबीरधाम जिले के बोड़ला थाना अंतर्गत ग्राम कुसुमघटा का है। पुलिस घायल हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कुसुमघटा के बाजार स्थल पर कुछ लोग जुआ खेल रहे थे। इसकी सूचना मिलते ही निरीक्षक रामकिशन मरकाम के साथ रात 9.30 बजे पूरी टीम बाजार स्थल पर पहुंची। जहां पुलिसकर्मी जुआ खेल रहे जुआरियों को घेराबंदी कर पकडने लगे। इसी दौरान कुछ जुआरी पुलिस को देखकर भाग गए। पुलिस टीम मौके पर जुआरी नरेश चन्द्रवंशी और श्रीराम चन्द्रवंशी पकड़ लिया। कुछ देर बाद दो आरोपी के अन्य साथी आ गए। सभी लोग एक राय होकर पुलिस टीम से गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे।

भाजपा जनपद पंचायत अध्यक्ष ने नशे में धुत होकर गांव के युवकों को जमकर पीटा

कांकेर। कांकेर में बीजेपी नेता, विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष और जनपद पंचायत अध्यक्ष रामचरण कोर्राम ने शराब के नशे में धुत होकर जमकर ड्रामा किया। पैर छूने आए ग्रामीणों से जमकर मारपीट की। मामला यही नहीं थमा बीजेपी नेता की मारपीट के बाद उनका भतीजा भी मौके पर पहुंच गया और ग्रामीणों से मारपीट करने लगा। इस पूरे मामले में शुक्रवार को पीड़ित युवकों ने कांकेर एसपी से मारपीट की शिकायत करते हुए बीजेपी नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो वायरल हो गया है। जिसके बाद बीजेपी नेता एक और वायरल ऑडियो में माफी मांग रहे हैं। फिलहाल इस पूरे मामले की जांच पुलिस कर रही है।

गौठान समिति के अध्यक्ष को पीटा

जनपद पंचायत अध्यक्ष कोर्राम ने अपने ही गांव पुसवाड़ा के ग्रामीणों के साथ जमकर मारपीट की। ऊपर से सब पर रौब भी झाडने़ लगा। उसने बेशर्मी से कहा कि ये मेरा क्षेत्र है, मैंने मारा, ठीक किया। मारपीट के बाद अध्यक्ष द्वारा माफी मांगने का एक ऑडियो क्लिप भी वायरल हो रहा है, जिसमें वो माफी मांगते तो दिख रहे हैं, लेकिन अपने मारपीट किए जाने को सही भी ठहरा रहा है।

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मागदर्शन केन्द्र, दुर्ग (छ.ग.)

(Phone No.0788-2323504, E-mail-ddirempdurg041@gamil.com)

क्रमांक/जिरोस्वरोमाकेदु/अग्निवीर भर्ती.रैली/2022-23/776 दुर्ग दिनांक 28.10.22

// खुली निविदा सूचना //

कार्यालय जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मागदर्शन केन्द्र, दुर्ग के द्वारा 01 दिसंबर 2022 से 13 दिसंबर 2022 तक प्रस्तावित तेरह दिवसीय अग्निवीर भर्ती रैली के आयोजन हेतु मंच निर्माण, टेंट एवं स्टाल तथा अन्य सामाग्री किराये पर लिये जाने हेतु अधिकृत संस्थानों से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। निर्धारित निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में दिनांक 18.11.2022 समय दोपहर 2.00 बजे तक कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर राशि रू. 1000/- (एक हजार रूपये) मात्र नगद जमा कर प्राप्त किये जा सकते है।

1. निविदा बिक्री की अंतिम तिथि :- दिनांक 18.11.2022 समय 2.00 बजे तक
2. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि :- दिनांक 18.11.2022 समय 3.00 बजे तक
3. निविदा खुलने की तिथि :- दिनांक 18.11.2022 समय 4.00 बजे तक

उपसंचालक
जिला रोजगार एवं स्वरोजगार
मागदर्शन केन्द्र, दुर्ग (छ.ग.)

जी-95361/3

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक - 6386/NIT-49/ 2022-23/ व.ले.लि. दिनांक 21.10.2022

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 31.10.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 10.11.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 11.11.2022 पूर्वान्ह 11.30 बजे से

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम / No of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में) अमानत राशि(रू.में.)
1	2	3
49 T0307	उपसंभाग बेमेतरा के अंतर्गत आवासीय भवनों का साधारण मरम्मत एवं सुदृणीकरण का कार्य	20.00 15000.00
49 T0308	उपसंभाग बेमेतरा के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों का साधारण मरम्मत एवं सुदृणीकरण का कार्य	20.00 15000.00
49 T0309	उपसंभाग साजा के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का साधारण मरम्मत एवं सुदृणीकरण का कार्य	20.00 15000.00
49 T0310	उपसंभाग नवागढ़ के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का साधारण मरम्मत एवं सुदृणीकरण का कार्य	20.00 15000.00

निविदा संबंधी शर्तों का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा

जी-95331/4

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

सेक्टर-6 एवं रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

महापौर नीरज पाल ने ली राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के महिलाओं की बैठक

क्वालिटी एंड प्रोडक्ट्स का बेहतर संग्रह है भिलाई का मदर्स मार्केट, प्रत्येक प्रोडक्ट पर बारीकी से की चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई पावर हाउस का मदर्स मार्केट क्वालिटी एवं प्रोडक्ट का बेहतर संग्रह बन गया है। मदर्स मार्केट को एक अलग दिशा की ओर ले जाने महापौर नीरज पाल ने राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के सीओ एवं अधिकारियों की बैठक ली, विक्रय के लिए रखे जा रहे प्रोडक्ट पर सभी से बारी-बारी से जानकारी लेकर चर्चा की।

महिलाओं ने महापौर को बताया कि मदर्स मार्केट में प्राप्त दुकानों के माध्यम से फूल एवं बुके का व्यवसाय, गढ़ कलेवा से संबंधित खाद्य सामग्री, अगरबत्ती, फिनाइल, अचार, पापड़, और इसी तरह के सूखे आइटम, बुटीक से संबंधित सभी समान, सभी प्रकार के सूखा मीठा आइटम से लेकर तमाम प्रकार की घरेलू जरूरत से संबंधित सामग्री विक्रय के लिए रखी जा रही है। इसके अलावा घर के सजावटी सामान में भी महिलाओं ने गजब का हुनर और कलाकारी दिखाया है।

महिलाओं के द्वारा बनाए गए हर एक उत्पाद को लोग काफी पसंद कर रहे है और खरीददारी के लिए मदर्स मार्केट पहुंच रहे हैं। उल्लेखनीय है कि विधायक देवेंद्र यादव एवं महापौर नीरज पाल ने मदर्स मार्केट के और बेहतर संचालन के लिए हाल ही में अधिकारियों की बैठक ली थी। मदर्स मार्केट को नई दिशा की ओर ले जाने संचालन समिति का गठन तथा बेहतर मार्केटिंग के लिए उत्पादों को बढ़ावा देते हुए इनका चयन कर प्रशिक्षण आयोजित करने भी चर्चा की गई थी। मदर्स मार्केट के माध्यम से महिलाओं को व्यवसाय के लिए स्थल मिल पाया है। गौरतलब है कि मदर्स मार्केट के 18 दुकानों के माध्यम से महिलाएं रोजगार प्राप्त कर आर्थिक उन्नति की ओर अग्रसर हो रही है। निगम आयुक्त रोहित व्यास ने भी राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के कार्यों की समीक्षा के दौरान योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश अधिकारियों को दिए है। मदर्स मार्केट में महिलाओं के द्वारा लगाए गए दुकानों से पूरा मार्केट सज गया है, हर जरूरत की सामग्री यहां मिल रही है इसीलिए लोग खरीदारी के लिए पावर हाउस मार्केट के पास बने इस बाजार की ओर रुख कर रहे हैं, वही इस स्थल पर पार्किंग की भी पर्याप्त व्यवस्था है साथ ही चौपाटी का आनंद भी ले सकते हैं।

छठ महापर्व से पहले तालाबों की सफाई में जुटा निगम अमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छठ पर्व के लिए निगम ने शुरू की घाटों की सफाई निगम क्षेत्र अंतर्गत छठ पर्व के मद्देनजर नगर निगम द्वारा तालाबों के घाटों की सफाई की जा रही है, जिसका आज शुक्रवार को विधायक अरुण वोरा और आयुक्त लोकेश चंद्राकार ने स्वास्थ्य विभाग प्रभारी हमीद खोखर, पार्षद मीना सिंह ,स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली,पूर्व पार्षद विजय जलकारे के साथ घाटों में चल रहे साफ-सफाई का निरीक्षण किया।

उल्लेखनीय है कि आस्था आगामी पर्व को देखते हुए 30 अक्टूबर को छठ पर्व मनाने के लिए श्रद्धालु तालाबों और नदी के घाट में पहुंचकर पूजा अर्चना करते है। नगर निगम द्वारा शहर के तालाबों के घाट की सफाई कर श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था बनाई जा रही है। जिसका जायजा विधायक अरुण वोरा और आयुक्त लोकेश चंद्राकार ने लिया।

यहां उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है।छठ पर्व की तैयारियों के लिए प्रमुख तालाबों का भी निरीक्षण किया। दीपक नगर के रेवा तालाब, कातुलबोड में शीतला तालाब और सिंधिया नगर पुजारी तालाब सहित अन्य तालाबों के निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौजूद अधिकारी से कहा कि छठ पर्व से पहले सभी तालाबों के घाटों की सफाई का कार्य पूरा हो जाना चाहिए। विधायक अरुण वोरा एवं आयुक्त लोकेश चंद्राकार ने कहा कि तालाबों के घाट पर सफाई के साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए भी बेहतर प्रकाश व्यवस्था करने के निर्देश भी दिये।उल्लेखनीय है कि आस्था के इस महापर्व के लिए महापौर धीरज बाकलीवाल ने तालाबो की सफाई को लेकर इसके निर्देश अधिकारियों को पूर्व में भी दिया गया है। उन्होंने कहा कि इन तालाबों के घाट तक पहुंचने में श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं की जानी चाहिए।

राज्योत्सव में दुर्ग के 25 विभागों की प्रदर्शनी, 9 फूड स्टाल भी होंगे, छत्तीसगढ़ी व्यंजन का होगा विशेष आकर्षण

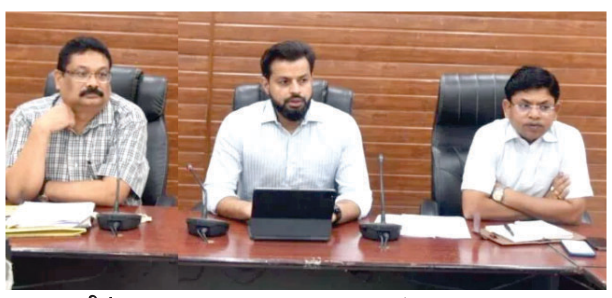

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। एक दिवसीय राज्योत्सव के मौके पर जिलावासियों को शहर के गंजमंडी मैदान में लाइव माडल्स के माध्यम से विकास की झलकियां मिलेंगी। आज कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने इस संबंध में अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने बैठक में अधिकारियों से विभागीय प्रदर्शनी की तैयारियों के बारे में पूछा। कलेक्टर ने कहा कि विभागीय स्टाल में ऐसे माडल प्रदर्शित किये जाएं जिनसे शासन की योजनाओं के जमीनी असर की जानकारी दिख सके। उदाहरण के लिए नरवा योजना में नालों के जीर्णोद्धार के लिए बनाये गये स्ट्रक्चर किस तरह से भूमिगत जल स्तर में बढ़ोत्तरी करते हैं इस तरह के माडल बनाये जाने पर उन्होंने जोर दिया।

कलेक्टर ने कहा कि नरवा, गरूवा, घुरूवा, बाड़ी जैसी योजनाओं के माध्यम से तेजी से आर्थिक विकास की राह पर प्रदेश चल रहा है। हमारी स्वसहायता समूह की महिलाएं गौठानों में अनेक तरह की आजीविकामूलक गतिविधियों में जुटी हुई हैं। इनका डिस्प्ले माडल के माध्यम से करें। हेल्थ सेक्टर के बारे में अपने सुझाव देते हुए उन्होंने बताया कि किस प्रकार शासन की नीतियों से हेल्थ का ढांचा मजबूत हुआ है और कैसे दुर्ग जिले में स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा मजबूत हुआ है उसे दिखाना है। अपर कलेक्टर श्री अरविंद एक्का ने विस्तार से राज्योत्सव के लिए की गई तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी विभाग 31 तारीख की शाम तक तैयारियां पूरी कर लेंगे।

कलेक्टर ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले सांस्कृतिक दल का चुनाव कर लें और लोक अभिरूचि के अनुरूप विषयों को प्रदर्शित करें। राज्योत्सव की गरिमा के अनुरूप बढ़िया सांस्कृतिक कार्यक्रम होना चाहिए। राज्योत्सव का मौका जिले के नवोदित प्रतिभाओं की सांस्कृतिक प्रतिभा दिखाने का भी होता है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि बीएसपी स्कूल सेक्टर 7, सैजेस कुम्हारी और बालाजीनगर, खालसा पब्लिक स्कूल, केपीएस नेहरू नगर, आदर्श कन्या दुर्ग, डीपीएस रिसाली के बच्चे कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा कन्या परिसर की छात्राएं भी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी।

उल्लेखनीय है कि इस बार 25 विभाग अपने स्टाल लगाएंगे। इसके अलावा 9 स्टाल फूड स्टाल होंगे। इसमें छत्तीसगढ़ी व्यंजन भी होंगे। कार्यक्रम के संबंध में सभी अधिकारियों को सौंपे गये कार्यों के संबंध में विस्तार से समीक्षा कलेक्टर ने की।

बीएसपी और सोसाइटी से मजबूत रहेगा रिटायर कर्मियों का रिश्ता: मिश्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत कर्मियों की सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-आपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-6 में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान माह जुलाई/अगस्त/सितंबर-2022 में बीएसपी की सुदीर्घ सेवा से रिटायर हुए कर्मियों को ससम्मान विदाई दी गई। यह सभी कर्मी सोसाइटी के सेक्टर-6 के अलावा पावर हाउस,नंदिनी और रिसाली सेक्टर शाखा के सदस्य रहे हैं।

शुरूआत में स्वागत भाषण देते हुए सोसाइटी के अध्यक्ष बृजबिहारी मिश्र ने कहा कि हमारे वरिष्ठ साथी अपने जीवन की नई पारी की शुरूआत कर रहे हैं, हम इन सभी के सुखमय भविष्य की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि रिटायर साथी हमेशा सोसाइटी परिवार के सदस्य की तरह रहेंगे और इन वरिष्ठ नागरिकों का भिलाई इस्पात संयंत्र और हमारी सोसाइटी के साथ बना रिश्ता हमेशा मजबूत रहेगा।

इन रिटायर कर्मियों में जुलाई/अगस्त माह के राजेंद्र कुमार शर्मा, कामेश्वर तिवारी, विजय रतन उइके, खोजन राम ठाकुर, पोषण सिंह, मंसाराम, सुनील कुमार एसएस, शरद कुमार डड़वाल, द्रोणाचार्य वर्मा, निर्मल कुमार मिश्रा, किशोर कुमार जोशी, सुदर्शन कोठारी, सुंदरलाल, मोहन कुमार वर्मा,प्रकाश नारायण पाठक, राकेश कुमार, हरकेश बहादुर सिंह, जनक लाल साहू, खुशयाल प्रसाद बोर्डे, राजूलु, विजय कुमार श्रीवास्तव, शशि कुमार सिहारे, हजारी प्रसाद, रामस्वरूप शर्मा, मोहनलाल, अवध राम गंधर्व, कन्हैया लाल यादव, राजा लाल, स्वरूप कुमार, फगुन राम, राजकुमार, मिलिंद कुमार बोधनकर और श्रीमती जयश्री दास शामिल हैं।

वहीं सितंबर माह के रिटायर लोगों में ज्ञानेंद्र कुमार शर्मा, राजा राम, श्रीराम, संदीप कुमार सिन्हा, भीमराम, ओम प्रकाश पांडे, विष्णु सिंह, हरदेव लाल गंगबोइर, मदनलाल साहू, देव सिंह, महंत यादव, बी मुरलीधरण, भोपाल प्रसाद साहू,चंद्रशेखर शिंदे, शैलेश डेनियल, चंद्रशेखर सोनी,जगदीश कर आदि उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950